Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 345
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 20 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

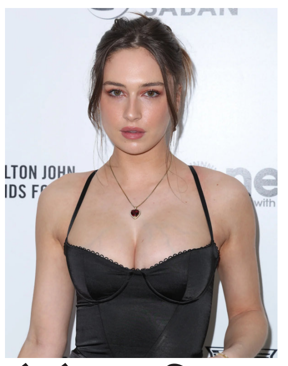

3 मुख्यमंत्री ने टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने ... 4 नेहरू की उदासीनता, लोहिया का प्रयास, ... 7 विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद....

संक्षिप्त न्यूज

केरल के एलओपी ने मेटा को लिखा पत्र, सोशल मीडिया से पैरोडी गीत 'पोटिये केट्टिये' को हटाने को कहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) वी डी सतीशान ने शुक्रवार को फेसबुक की मूल कंपनी मेटा को पत्र लिखकर पुलिस के उन निर्देशों का विरोध किया, जिनमें पैरोडी गीत 'पोट्टिये केट्टिये' के लिंक सोशल मीडिया से हटाने को कहा गया था। पत्र में सतीशान ने कहा कि अदालत के आदेश के बिना गीत को हटाना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। उन्होंने लिखा कि मैं आपका ध्यान उन खबरों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जिनमें बताया गया है कि केरल राज्य पुलिस, भारत सरकार ने मेटा सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से संपर्क किया है और उनसे 'पोट्टिये केट्टिये' नामक गीत के लिंक हटाने का अनुरोध किया है, जिसे केरल के सबरीमाला मंदिर में कथित सोने की चोरी के संबंध में ऑनलाइन प्रसारित किया जा रहा है।

विपक्षी नेता ने कहा कि तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस ने इस पैरोडी गीत के निर्माण और प्रसार के संबंध में मामला दर्ज किया है। सतीशान ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई 'न्यायिक फैसला' या कानूनी आदेश नहीं है जिसमें इस सामग्री को हटाने का निर्देश दिया गया हो, जो उनके अनुसार 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का उल्लंघन है। पत्र में आगे कहा गया, 'हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आज तक ऐसा कोई न्यायिक फैसला, अदालती आदेश या वैधानिक निर्देश नहीं है जो इस सामग्री को हटाने का आदेश देता हो। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने लगातार यह माना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को तब तक सीमित नहीं किया जा सकता जब तक कि कानून का स्पष्ट और कानूनी रूप से स्थापित उल्लंघन साबित न हो जाए।

पीएम मोदी बोले- योग ने दुनिया को दिखाया स्वास्थ्य का मार्ग; आयुष का बढ़ा मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष क्षेत्र के लिए एक मास्टर डिजिटल पोर्टल, माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (एमएआईएसपी) सहित कई ऐतिहासिक आयुष पहलों का शुभारंभ किया और आयुष मार्क का अनावरण किया, जिसे आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक मानक के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दूसरी पारंपरिक चिकित्सा पर डब्ल्यूएचओ का वैश्विक शिखर सम्मेलन का समापन दिन है। पिछले 3 दिनों में यहां पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े दुनियाभर के विशषज्ञों ने गंभीर और सार्थक चर्चा की है। मुझे खुशी है कि भारत इसके लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म का काम कर रहा है और इसमें WHO की भी सक्रिय भूमिका रही है।

मोदी ने कहा कि मैं इस सफल आयोजन के लिए ष्ठ का, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का और यहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों के हृदय से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है और भारत के लिए गौरव की बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केंद्र भारत के जामनगर में स्थापित हुआ है। 2022 में पारंपरिक चिकित्सा की पहली समिट में विश्व ने बड़े भरोसे के

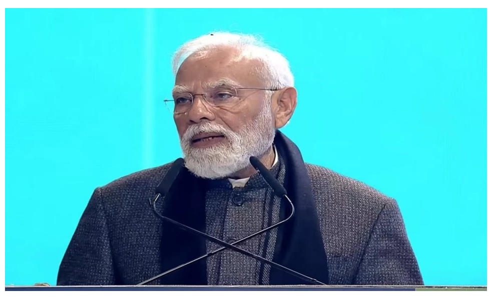

साथ हमें ये दायित्व सौंपा था। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में पारंपरिक चिकित्सा और आधुनिक पद्धतियों का संगम होता है, जिससे नवाचार के लिए एक अनूठा मंच तैयार होता है। कई नई पहलें शुरू की गई हैं जिनमें चिकित्सा विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य के भविष्य को बदलने की क्षमता है।

इस समिट में कईं अहम विषयों और सहमति बनना हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतिबिंब है। अनुसंधान को मजबूत करना, पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में अंकीय प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाना, ऐसे विनियामक ढाँचा तैयार करना जिनपर पूरी दुनिया भरोसा कर सके। ऐसे मुद्दे पारंपरिक चिकित्सा को बहुत सशक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग भी है। योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रयासों और 175 से ज्यादा देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को योग दिवस घोषित किया गया था। बीते वर्षों में हमने योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचते देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली में WHO के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया है। ये भारत की तरफ से एक विनम्र उपहार है। ये एक ऐसा ग्लोबल हब है, जहां से अनुसंधान, विनियमन और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में संतुलन, अर्थात् संतुलन को स्वास्थ्य का पर्याय कहा गया है। जिसके शरीर में ये संतुलन बना रहता है, वही स्वस्थ है, वही स्वस्थ है। पुनर्स्थापित करना, संतुलन... आज ये केवल एक ग्लोबल कारण ही नहीं है। बल्कि, ये एक वैश्विक तात्कालिकता भी है। इसे संबोधित करने के लिए हमें और तेज गति से कदम उठाने होंगे।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीवन शैली में अचानक से आ रहे इतने बड़े बदलाव, शारीरिक श्रम के बिना संसाधनों और सुविधाओं की सहूलियत.... इससे मानव शरीर के लिए अप्रत्याशित चुनौतियां पैदा होने जा रही हैं। इसलिए, पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल में हमें केवल वर्तमान की जरूरतों पर ही फोकस नहीं करना है। हमारी साझा उत्तरदायित्व आने वाले भविष्यको लेकर भी है। उन्होंने कहा कि जब पारंपरिक चिकित्सा की बात होती है, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आता है। ये सवाल सुरक्षा और प्रमाण से जुड़ा है। भारत आज इस दिशा में भी लगातार काम कर रहा है।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश को दी चुनाती, एचसी में याचिका दायर की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। ईडी ने 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन अस्वीकार्य है, क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं है।

विशेष जज विशाल गोगने ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए कहा था कि गांधी परिवार पुलिस की एफआईआर पाने का हकदार नहीं। दरअसल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गांधी परिवार को नेशनल हेराल्ड मामले में एफआईआर की प्रति देने का निर्देश दिया था। विशेष जज ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को चुनौती वाली दिल्ली पुलिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश सुनाया। जज ने हालांकि कि कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपियों को यह सूचना दी जा सकती है कि एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 3 अक्तूबर को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

अधिकारियों ने कहा था कि अदालत ने ईडी ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) को रद्द नहीं किया है, जो पीएमएलए में पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के समकक्ष है। इसे 30 मई, 2021 को दायर किया गया था और इस पर पूरा मामला आधारित है। इसी ईसीआईआर के आधार पर ईडी ने आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि गांधी परिवार ने व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और सोनिया-राहुल गांधी के स्वामित्व वाली निजी कंपनी यंग इंडियनने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों का मात्र 50 लाख रुपये में अधिग्रहण कर लिया, जो कि इसके वास्तविक मूल्य का काफी कम आंकलन था।

पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहा बांग्लादेश पड़ोसी देश की स्थिति पर बोले गिरिराज सिंह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें कम से कम चार लोग घायल हो गए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को इस घटना को एक दुखद घटना बताया। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि यह एक दुखद घटना है। भारत में धर्मनिरपेक्षता की बात करने वालों के लिए यह विशेष रूप से चिंताजनक है। ऐसी घटनाएं गंभीर प्रश्न उठाती हैं और इन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

बांग्लादेश की स्थिति पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह खेदजनक है कि बांग्लादेश पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहा है और देश में ममता बनर्जी जैसी नेता हैं जो भारत को बांग्लादेश में बदलना चाहती हैं। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस स्थिति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद खेदजनक है कि बांग्लादेश, जिस देश की स्थापना में भारत ने मदद की, अब हमारे खिलाफ रुख अपना रहा है। नेपाल और श्रीलंका की मौजूदा स्थिति, और इससे पहले पाकिस्तान में हुई घटनाएं, कूटनीतिक जिम्मेदारी के महत्व को उजागर करती हैं।

लोकसभा- राजसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित, दिल्ली प्रदूषण पर चर्चा अधूरी रह गई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शुक्रवार को संसद अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई, जिससे शीतकालीन सत्र का समापन हो गया। इस सत्र में बार-बार स्थगन और वॉकआउट के बजाय लगातार बहस हुई, जिससे संसदीय कामकाज सुचारू रूप से चला और सरकार कई महत्वपूर्ण कानून पास करवा पाई। बीमा और परमाणु ऊर्जा क्षेत्रों में ज़्यादा निजी और विदेशी भागीदारी को बढ़ावा देने, ग्रामीण रोज़गार में सुधार करने और नए वित्तीय और कराधान उपायों को मंज़ूरी देने वाले बिल संसद के दोनों सदनों में पास हो गए। 19 से ज़्यादा सत्रों में, संसद ने आठ प्रमुख कानूनों को उनके आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक प्रभावों पर विस्तार से बहस के बाद मंज़ूरी दी। इनमें सबसे महत्वपूर्ण थे सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर

एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल, 2025 (शांति बिल), जो न्यूक्लियर सेक्टर को प्राइवेट भागीदारी के लिए खोलता है; विकसित भारत ग्राम रोज़गार और मानव गरिमा बिल, 2025 (वीबी-जी रैम जी बिल), जो एमजीएनआरईजीए की जगह लेता है; और सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) बिल, 2025, जो बीमा सेक्टर में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को 100इ तक बढ़ाता है।

दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती हवा की क्वालिटी पर जिस चर्चा का बेसब्री से इंतज़ार था, वह शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन लोकसभा में होने वाली थी। हालांकि, दोनों सदनों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है, जिसका मतलब है कि यह चर्चा अब नहीं होगी।

राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस सत्र में सदन की कार्य उत्पादकता 121 प्रतिशत रही। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने कहा कि इस सत्र में महत्वपूर्ण विधायी कामकाज हुआ। उच्च सदन के सभापति के तौर पर यह सत्र राधाकृष्णन का पहला सत्र था और सदन की कार्यवाही के संचालन में सहयोग के लिए उन्होंने उपसभापति हरिवंश, सदन के सदस्यों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सत्र में सदन की कार्य उत्पादकता लगभग 121 प्रतिशत रही। वंदे मातरम् की धुन बजने के बाद उन्होंने कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत एक दिसंबर को हुई थी।

सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच बोले डीके शिवकुमार

'मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बनी आपसी सहमति'

बैंगलुरू। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस हाई कमांड की सहमति से एक समझौता किया है। शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि दोनों नेता इस आपसी सहमति और आलाकमान के फैसले का पूरी तरह पालन करेंगे।

पार्टी नेतृत्व के फैसले पर बोले शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री बदलने के सीधे सवाल पर कोई स्पष्ट जवाब देने के बजाय कहा कि सिद्धारमैया पार्टी नेतृत्व के फैसले के आधार पर ही पद पर आसीन हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, 'मैंने कभी यह नहीं कहा कि सिद्धारमैया पांच साल तक मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, और न ही कभी आलाकमान के समर्थन पर सवाल उठाए। आज वह मुख्यमंत्री हैं क्योंकि आलाकमान उनके साथ है।' उन्होंने आगे कहा कि पार्टी नेतृत्व में दोनों नेताओं के बीच एक आपसी सहमति

बनी है और वे उसी के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं।

पार्टी जो कहेगी हम उसका पालन करेंगे- शिवकुमार

इससे पहले सिद्धारमैया ने भी कांग्रेस हाई कमान के समर्थन पर भरोसा जताते हुए कहा था कि वे अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए पद पर बने रहेंगे। हालांकि उत्तरी कर्नाटक के विकास से जुड़े मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा के दौरान, सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि वह सिर्फ ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री हैं। मामले में सीएम बदलने की बातचीत के बारे में एक सवाल पर शिवकुमार ने कहा यह चर्चा केवल मीडिया में है जो इसके बारे में बात कर रहे हैं, हमारे बीच कोई चर्चा नहीं है। पार्टी जो कहेगी हम उसका पालन करेंगे।'

उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में देवी जगदीश्वरी मंदिर के दौरे को उनकी मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाओं से जोड़ने वाले एक सवाल पर, शिवकुमार ने कहा, 'मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहता, यह मेरे और मां देवी के बीच की बात है।' उन्होंने कहा कि पांच साल पहले वह अपने परिवार से जुड़े किसी मामले को लेकर मंदिर आए थे और उनकी मनोकामना पूरी हो गई थी। इसलिए वे आभार जताने और अपने लिए मंदिर आए हैं। फिलहाल, शिवकुमार के इस बयान ने राज्य की राजनीति में 'पावर-शेयरिंग' फार्मूले की चर्चाओं को एक बार फिर हवा दे दी है।

दिल्ली में आबादी देह सर्वे शुरू करेगी सरकार, बदलेगा ग्रामीण भूमि प्रबंधन का स्वरूप

नई दिल्ली। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी देह भूमि की पहचान, स्वामित्व और दस्तावेज़ीकरण संबंधी लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी पहल की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अब आबादी देह क्षेत्रों का व्यापक सर्वेक्षण किया जाएगा, अभिलेख तैयार किए जाएंगे और सत्यापन एवं कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस व्यापक प्रक्रिया को एक निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक ढांचे के भीतर लागू करने जा रही है। यह पहल न केवल भूमि प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करेगी, बल्कि ग्रामीणों को स्वामित्व का कानूनी प्रमाण और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगी।

इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने ग्रामीण आबादी देह क्षेत्रों में संपत्ति के स्वामित्व अधिकारों को सुनिश्चित करने और दशकों पुराने सीमा विवादों को हल करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल, 2020 को राष्ट्रीय पंचायती

राज दिवस के अवसर पर शुरू की गई स्वमित्वा योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, दिल्ली सरकार ने दिल्ली आबादी देह सर्वेक्षण और अभिलेख प्रबंधन नियम, 2025 का मसौदा तैयार किया है।

मसौदे में ड्रोन आधारित हवाई सर्वेक्षण और क्षेत्र सत्यापन से लेकर सार्वजनिक आपत्ति प्रक्रियाओं, विवाद समाधान, डिजिटल रिकॉर्ड बनाने और संपत्ति कार्ड जारी करने तक संपूर्ण परिचालन ढांचा स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन न हो और भूमि संबंधी विवादों का समाधान पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से हो।सरकारी प्रावधानों के अनुसार, आबादी देह सर्वेक्षण प्रक्रिया राजस्व विभाग के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में संचालित की जाएगी। सर्वेक्षण दल और तकनीकी एजेंसियां ??आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए आबादी देह क्षेत्रों, विस्तारित आबादी देह क्षेत्रों और अन्य अधिसूचित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से सर्वेक्षण करेंगी। ड्रोन और हवाई फोटोग्राफी के माध्यम से डिजिटल डेटा एकत्र किया जाएगा, जिससे प्रत्येक भूखंड के सटीक स्थान, आकार और सीमाओं का सटीक रिकॉर्ड सुनिश्चित हो सकेगा।

दिल्ली में नितिन नबीन से मिले चंद्रबाबू नायडू भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दिल्ली में भाजपा के नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। मुलाकात के बाद चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि मैं भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई देने आया हूं। मुझे उन्हें बधाई देते हुए बहुत खुशी हो रही है। वे युवा हैं और भाजपा में काम करने का उन्हें अच्छा अनुभव है। यह एक प्रेरणादायक समय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बहुत तेजी से प्रगति कर रहा है। नायडू ने आगे कहा कि हम बहुत खुश हैं और भविष्य में इस महान राष्ट्र के लिए असाधारण कार्य करने हेतु उनके हाथों को मजबूत करने के लिए हम मिलकर काम करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। इससे पहेल नायडू और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने नितिन नबीन को भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी थी। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष नायडू ने नबीन को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर नितिन नबीन जी को हार्दिक बधाई। मैं उनके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं। पवन कल्याण ने नितिन नबीन को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई दी थी। जन सेना के अध्यक्ष पवन कल्याण ने कहा, 'भाजपा की युवा शाखा में सेवा दे चुके श्री नितिन नबीन बिहार राज्य की राजनीति और जनजीवन में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वे राज्य सरकार में मंत्रिमंडल मंत्री के पद पर कार्यरत हैं।' पवन कल्याण ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने एनडीए के जनादेश को दृढ़तापूर्वक निभाया है।

विपक्ष के हंगामे के बीच कर्नाटक में हेट स्पीच और हेट क्राइम बिला पास, मंत्री ने कहा- कोई राजनीतिक प्रतिशोध नहीं

बैंगलुरू। कर्नाटक विधान परिषद ने शुक्रवार को घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध निवारण विधेयक, 2025 पारित कर दिया। राज्य विधानसभा के ऊपरी सदन में हंगामे के बीच कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के बीच तीखी बहस हुई। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य घृणास्पद भाषण और घृणा अपराधों पर अंकुश लगाना है। वहीं, भाजपा के एमएलसी सी.टी. रवि ने कांग्रेस पर हमला करते हुए दावा किया कि अगर आज राज्य में चुनाव होते तो पार्टी नहीं जीत पाती।

विपक्षी सदस्य सदन के वेल में घुस गए और विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष के लगातार हंगामे और नारेबाजी के बावजूद, परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने मतदान जारी रखा और विधेयक पारित हो गया। इससे पहले, कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को

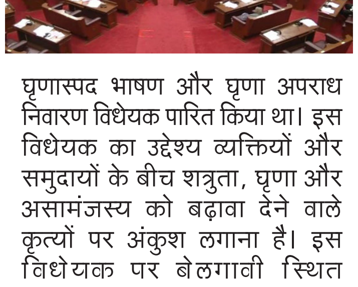

घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध निवारण विधेयक पारित किया था। इस विधेयक का उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों के बीच शत्रुता, घृणा और असामंजस्य को बढ़ावा देने वाले कृत्यों पर अंकुश लगाना है। इस विधेयक पर बेलगावी स्थित विधानसभा में चर्चा हुई, जहां कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इसके प्रावधानों का विस्तार से वर्णन किया और कानूनी ढांचे के भीतर घृणास्पद भाषण और घृणा अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की आवश्यकता को समझाया।

घृणास्पद भाषण को परिभाषित करते हुए परमेश्वर ने कहा कि इसका तात्पर्य किसी व्यक्ति (जीवित या मृत) या व्यक्तियों के समूह या किसी संगठन के प्रति असामंजस्य या शत्रुता, घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने के उद्देश्य से घृणास्पद भाषण का संचार करना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, या ऐसे घृणास्पद भाषण को बढ़ावा देना, प्रचारित करना, उकसाना, सहायता करना या प्रयास करना है।

चुनाव आयोग ने गुजरात में जारी की एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट, 74 लाख वोटर्स के नाम हटे

नई दिल्ली। विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित करने के बाद 70 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। 58 लाख मतदाताओं में से 44 लाख मतदाताओं ने पंजीकरण कराया था। 50,963 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने घर-घर जाकर जनगणना प्रपत्र वितरित किए और मतदाता मानचित्रण एवं मिलान का कार्य किया। मतदाता अब 18 जनवरी, 2026 तक आपत्तियां और दावे दर्ज करा सकते हैं। चुनाव अधिकारी 10 फरवरी, 2026 तक आपत्तियों और दावों का निपटारा करेंगे। इससे पहले गुजरात में कुल 50,843,436 पंजीकृत मतदाता थे। मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित होने के बाद मतदाताओं की कुल संख्या घटकर 43,470,109 रह गई। इसका मतलब है कि एसआईआर अभियान के दौरान 7,373,327 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची के मसौदा से हटा दिए गए।

हटाए गए मतदाताओं का विवरणः
मृत मतदाताः 1,807,278। अस्तित्वहीन मतदाताः 969,662। स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताः 4,025,553। दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताः 381,470। अन्यः 189,364। मतदाता सूची का मसौदा मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट (http://ceo.gujarat.gov.in) पर भी प्रकाशित कर दिया गया है, जहां मतदाता अपना विवरण देख सकते हैं।

निर्धारित समय सीमा के भीतर मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन को पूरा करने के लिए, 33 जिला निर्वाचन अधिकारियों, 182 मतदाता पंजीकरण अधिकारियों, 855 सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों, 50,963 बीएलओ, 54,443 बीएलए और 30,833 स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सीट बंटवारे को लेकर फंस गया महायुति में बड़ा पेंच, शिंदे ने 2017 वाले फॉर्मूले को लागू करने की कर दी डिमांड

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीट बंटवारे की बातचीत में एक बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच हुई बैठक में शिंदे सेना ने 2017 के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए उन सभी 84 सीटों की मांग की, जो उस समय अविभाजित शिवसेना ने जीती थीं। हालांकि, भाजपा ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया। भाजपा का तर्क है कि 2017 की राजनीतिक परिस्थितियों और वर्तमान स्थिति में काफी अंतर है। भगवा पार्टी ने कहा कि शिंदे सेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच सीधा मुकाबला महायुति गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकता है।

सीट बंटवारे का आधार 'जीत की संभावना' होगी

भाजपा ने कहा कि शिंदे सेना को केवल वही सीटें आवंटित की जाएंगी जहां उसकी सबसे मजबूत उपस्थिति है और सीट बंटवारा 'जीत की संभावना' के फार्मूले के आधार पर तय किया जाएगा। बीएमसी की कुल 227 सीटों में से 77 सीटों पर दोनों पार्टियों के बीच विवाद है। उम्मीद है कि दोनों पक्षों के वरिष्ठ नेता अगले दो दिनों में गतिरोध को सुलझाने के प्रयास करेंगे।

राज्य चुनाव आयोग ने मतदान कार्यक्रम की घोषणा की

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने 15 दिसंबर को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव 15 जनवरी, 2026 को एक ही चरण में होंगे और परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे।

मुंबई भाजपा अध्यक्ष ने गठित समिति

मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित सतम ने बीएमसी चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु 20 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति के अध्यक्ष अमित सतम के अलावा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर, कई राज्य मंत्रिमंडल मंत्रियों और विधायकों को समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो जोड़ी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली एवं बांद्रा टर्मिनस - अमृतसर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 04001/04002 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 04001 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल मुंबई सेंट्रल से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 20:50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन 21, 24, 27 एवं 30 दिसंबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली - मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल नई दिल्ली से 22:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 21:00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 20, 23, 26 एवं 29 दिसंबर, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी एवं मथुरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 04695/04696 बांद्रा टर्मिनस - अमृतसर सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 04695 बांद्रा टर्मिनस - अमृतसर सुपरफास्ट स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से 14:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 20:30 बजे अमृतसर पहुंचेगी। यह ट्रेन 24 एवं 28 दिसंबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04696 अमृतसर - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल अमृतसर से 04:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 एवं 27 दिसंबर, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, मथुरा, दिल्ली सफदरजंग, पानीपत, अंबाला कैंट, लुधियाना, जालंधर सिटी एवं ब्यास स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04001एवं 04695 की बुकिंग 20 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

नगरपालिका चुनावों के लिए पर्याप्त फ्लाइंग स्क्वॉड बनाए जाने चाहिए-राज्य चुनाव आयुक्त

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

नगरपालिका चुनावों को सुचारू रूप से कराने और आदर्श आचार संहिता को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पर्याप्त फ्लाइंग स्क्वॉड बनाए जाने चाहिए। इसके साथ ही, सभी चुनाव निर्णय अधिकारियों के कार्यालयों को अच्छी तरह से सुसज्जित रखा जाना चाहिए और अभी से कड़ी योजना बनाई जानी चाहिए ताकि मतदाता आसानी से मतदान कर सकें, राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने निर्देश दिया। वे आज राज्य के 29 नगर निगमों की चुनाव प्रक्रिया की तैयारियों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित सभी नगर आयुक्तों की बैठक में बोल रहे थे। इस अवसर पर आयोग के सचिव सुरेश काकानी सहित आयोग के विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

दिनेश वाघमारे ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वॉड के माध्यम से आचार संहिता को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए, नगर आयुक्त को पर्याप्त जनशक्ति की व्यवस्था करनी चाहिए; और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रणाली के साथ समन्वय भी करना चाहिए। इसके साथ ही, संबंधित वार्डों के नक्शे, वार्ड में सीट-वार आरक्षण, नामांकन पत्रों और हलफनामों के नमूने, अन्य आवश्यक अधिकारी/कर्मचारी, आवश्यक सामग्री आदि की व्यवस्था रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में तुरंत की जानी चाहिए। मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सेवाएं और सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए ताकि मतदाता आसानी से और सुविधापूर्वक मतदान कर सकें। जहां भी संभव हो, आदर्श मतदान केंद्र या पिंक मतदान केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए।

सचिव काकानी ने बैठक में एक प्रस्तुति दी। उन्होंने नगर निगम से संबंधित अधिनियम और राज्य चुनाव आयोग के विभिन्न आदेशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची और मतपत्रों पर उम्मीदवारों के नामों का क्रम राज्य सरकार द्वारा नगर निगम चुनाव नियमों में किए गए संशोधनों के अनुसार व्यवस्थित किया जाना चाहिए। चुनाव चिह्नों के आवंटन के संबंध में 5 मई, 2025 के राज्य चुनाव आयोग के आदेश का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। नगर आयुक्त को यह सुनिश्चित करने के लिए जिला कलेक्टर के साथ समन्वय करना चाहिए कि इन सभी चुनाव प्रक्रियाओं के लिए पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध हो।

765 केवी पारेषण परियोजना के लिए 'महापारेषण' और 'महानिर्मिती' के बीच समझौता

राज्य की विद्युत प्रणाली होगी और अधिक सशक्त

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

मुंबई : राज्य की विद्युत वहन (ट्रांसमिशन) व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (महापारेषण) और महाराष्ट्र राज्य विद्युत निर्मिती कंपनी (महानिर्मिती) के बीच हाल ही में एक समझौता ज्ञापन (श्दळ) पर हस्ताक्षर किए गए। 765 केवी क्षमता की पारेषण परियोजना के लिए 'टैरिफ बेस्ड कॉम्पिटिटिव बिडिंग' (ऊँण्) के अंतर्गत संयुक्त रूप से निविदा प्रस्तुत करने का निर्णय दोनों विद्युत कंपनियों ने लिया है।

इस साझेदारी से महापारेषण का पारेषण क्षेत्र में व्यापक अनुभव और महानिर्मिती की बड़े विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तकनीकी दक्षता एक साथ आएगी। 765 केवी श्रेणी की परियोजनाओं के लिए इन दो सरकारी कंपनियों का एक साथ आना राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह ऐतिहासिक समझौता महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार (भा.प्र.से.) और महानिर्मिती के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री राधाकृष्णन बी. (भा.प्र.से.) की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महापारेषण के निदेशक (संचालन) श्री सतीश चव्हाण, निदेशक (परियोजना) श्री अविनाश निंबाळकर, निदेशक (वित्त) श्रीमती तृप्ती मुधोळकर, मुख्य विधि सलाहकार श्री विजय पाटील, मुख्य अभियंता (ऊँण्) श्री अमित नाईक तथा महानिर्मिती के निदेशक (वित्त) श्री मनेश वाघिरकर, निदेशक (परियोजना) श्री अभय हरणे, मुख्य विधि सलाहकार डॉ. कीर्ति कुलकर्णी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

परियोजना का महत्व

मजबूत ग्रिड : इन नई परियोजनाओं से विद्युत वहन क्षमता बढ़ेगी और ग्रिड की स्थिरता में सुधार होगा।

सरकारी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता : निजी कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में राज्य की दो प्रमुख ऊर्जा कंपनियों के एक साथ आने से परियोजना लागत में बचत और गुणवत्ता में वृद्धि की अपेक्षा है।

भविष्य की आवश्यकताएँ : भविष्य में बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए 765 केवी प्रणाली 'पावर कॉरिडोर' की रीढ़ साबित होगी।

इस रणनीतिक निर्णय से महापारेषण की देश की अग्रणी राज्य पारेषण कंपनी के रूप में स्थिति और सुदृढ़ होगी। महानिर्मिती के साथ इस समन्वय से बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन अधिक तेज़ी और उच्च तकनीकी क्षमता के साथ संभव हो सकेगा।

मध्य रेल्वे सोलापुर मंडल से चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएँ जारी रहेंगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से सोलापुर मंडल से चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएँ मध्य रेल्वे द्वारा आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया गया है। विवरण इस प्रकार है:

गाड़ी संख्या 01435 सोलापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) साप्ताहिक विशेष

यह गाड़ी प्रत्येक मंगलवार को 30.12.2025 तक चलने वाली थी। अब इसे 24.02.2026 तक बढ़ा दिया गया है। (8 फेरे)

गाड़ी संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई)-सोलापुर साप्ताहिक विशेष

यह गाड़ी प्रत्येक बुधवार को 31.12.2025 तक चलने वाली थी। अब इसे 25.02.2026 तक बढ़ा दिया गया है। (8 फेरे)

गाड़ी संख्या 01477 सोलापुर-अनाकापल्ली साप्ताहिक विशेष

यह गाड़ी 26.12.2025 तक चलने वाली थी। अब यह 01.01.2026 से 26.02.2026 तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। (9 फेरे)

गाड़ी संख्या 01478 अनाकापल्ली-सोलापुर साप्ताहिक विशेष

यह गाड़ी 27.12.2025 तक चलने वाली थी। अब यह 02.01.2026 से 27.02.2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। (9 फेरे)

31.12.2025 तक प्रतिदिन चलने वाली निम्नलिखित गाड़ियों को अब 28.02.2026 तक बढ़ाया गया है:

गाड़ी संख्या 01461/01462 सोलापुर-दौंड अनारक्षित दैनिक विशेष (59 फेरे)

गाड़ी संख्या 01465/01466 सोलापुर-कलबुर्गी अनारक्षित दैनिक विशेष (59 फेरे)

गाड़ी संख्या 01487/01488 दैनिक विशेष (59 फेरे) निम्नानुसार चलेंगी:

गाड़ी संख्या 01487 पुणे-हरंगुल दैनिक विशेष : 01.01.2026 से 26.01.2026 तक

गाड़ी संख्या 01487 हडपसर-हरंगुल दैनिक विशेष : 27.01.2026 से 28.02.2026 तक

गाड़ी संख्या 01488 हरंगुल-पुणे दैनिक विशेष : 01.01.2026 से 25.01.2026 तक

गाड़ी संख्या 01488 हरंगुल-हडपसर दैनिक विशेष : 26.01.2026 से 28.02.2026 तक

उपरोक्त उल्लिखित ट्रेनों के समय-सारणी, कोच संरचना एवं ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, सिवाय ऊपर स्पष्ट किए गए परिवर्तनों के।

आरक्षण एवं टिकट बुकिंग:

विशेष शुल्क के साथ चलने वाली विशेष ट्रेनों की बढ़ाई गई फेरों के लिए आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा www.irctc.co.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अनारक्षित डिब्बों के टिकट स्टेशन स्थित टिकट खिड़कियों तथा UTS ऐप के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने हेतु वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें।

'आप' ने बीएमसी में उतरने की घोषणा की, सभी 227 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी, गठबंधन से इनकार

आप: मुंबई की हालत खराब है, सभी मौजूदा पार्टियों ने बीएमसी को लूटा है; बीएमसी में कुछ अच्छे लोगों की मुंबई को सख्त जरूरत है, मुंबई को 'आप' की जरूरत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आम आदमी पाटी ने आज आगामी बीएमसी आम चुनाव 2026 अपने दम पर लड़ने के फैसले की घोषणा की। देश की सबसे युवा राष्ट्रीय पार्टी ने गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार किया और स्पष्ट किया कि वे सभी 227 वार्डों में 'आप' के उम्मीदवार उतारेंगे।

भारत का 'प्रमुख शहर' होने के बावजूद, मुंबई बदहाल है। बीएमसी का वार्षिक बजट 74,447 करोड़ रुपये है - जो एशिया में सबसे बड़ा है। मुंबईकर देश में सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं और फिर भी उन्हें घटिया सार्वजनिक सेवाएं मिलती हैं।

बीएमसी भ्रष्टाचार और भारी अयोग्यता का अड्डा बन गई है। बीएमसी के स्कूल बंद हो रहे हैं और शिक्षा की गुणवत्ता खराब है, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र न के बराबर हैं, अस्पतालों पर बोझ है और 'बेस्ट' को सुनियोजित तरीके से खत्म किया जा रहा है, जिसकी वजह से बसों की संख्या तेजी से कम हो रही है। दुनिया की कुछ सबसे महंगी रियल एस्टेट गंदगी से घिरी हुई हैं।

कचरा निस्तारण की व्यवस्था खराब है और चारों तरफ गंदगी पड़ी है। पेड़ों की संख्या तेजी से कम होने से हमारे पर्यावरण का स्तर गिर गया है। प्रदूषण अब तक के उच्चतम स्तर पर है, हमारा AQI स्तर दिल्ली जितना खराब है, जबकि हम समुद्र तट पर हैं, और हम दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर हैं जो बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज (मल-जल) खुले समुद्र में छोड़ते हैं।

धारावी पुनर्विकास के नाम पर, हम स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे बड़ा 'जमीन कब्जा' देख रहे हैं। पिछले 4 वर्षों से, बीएमसी बिना जन-प्रतिनिधित्व के चल रही है और हमारी जो 90,000 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट थी, वह तेजी से गिरकर अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है।

यह सब कुछ नहीं बल्कि एक अराजक राजनीतिक वर्ग द्वारा मुंबईकरो पर थोपी गई 'अकारण पीड़ा' है। हर राजनीतिक दल ने जनहित के ऊपर अपने स्वार्थों को प्राथमिकता देते हुए मुंबई को लूटा है।

'आप' सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि समाधान है। बीएमसी में कुछ अच्छे लोगों की मुंबई को सख्त जरूरत है। हम जानते हैं कि शासन को कैसे सुधारा जाता है। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के नेतृत्व में, हमने दिल्ली और पंजाब में ऐसा किया है। वहां हमने भ्रष्टाचार और कर्ज के बिना विश्व स्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पानी और बिजली प्रदान की है।

भ्रष्ट और अयोग्य लोगों को साफ करने के लिए हमें 'झाडू' की जरूरत है। सिर्फ 7 नगरसेवकों के साथ, 'आप' का सदन में नेता होगा और सभी वैधानिक समितियों (स्थायी, सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा और बेस्ट) में हमारा प्रतिनिधित्व होगा। जब हमने पिछली बार 2014 के लोकसभा चुनाव में हिस्सा लिया था, तो हमें 5.16इ वोट शेयर और 2,73,000 से अधिक वोट मिले थे। हम इस बार इस प्रदर्शन को और बेहतर करेंगे और हमें जमीन पर जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है।

मुंबई को 'आप' की जरूरत है। हम भारत की सबसे युवा राष्ट्रीय पार्टी हैं और मुंबई की सभी 227 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे।'

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य को पूरा करने के लिए 30 दिनों का ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 20/21 दिसंबर, 2025 की रात्रि से प्रारंभ होकर 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्य में कांदिवली एवं बोरीवली स्टेशनों पर ट्रैक स्लीविंग तथा कई क्रॉसओवरों का इन्सर्शन एवं रिमूवल शामिल है। इसके अंतर्गत इंजीनियरिंग, सिगनलिंग तथा ओवरहेड इक्विपमेंट से जुड़े प्रमुख कार्य किए जाएंगे, जिससे रेल परिचालन प्रभावित होगा। परिणामस्वरूप कुछ उपनगरीय, पैसेंजर एवं मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी।

श्री विनीत ने आगे बताया कि इस अवधि के दौरान पाँचवीं लाइन पर यात्री ट्रेनों का परिचालन निलंबित रहेगा तथा अन्य लाइनों पर गति प्रतिबंध लागू रहेंगे। पाँचवीं लाइन पर चलने वाली सभी मेल/एक्सप्रेस एवं उपनगरीय ट्रेनें अंधेरी/गोरेगांव और बोरीवली के बीच फास्ट लाइन पर चलाई जाएंगी।

यह ब्लॉक 20/21 दिसंबर, 2025 से 25/26 दिसंबर, 2025 की अवधि के दौरान प्रतिदिन 23:00 बजे से 04:30 बजे तक लिया जाएगा। ब्लॉक एवं पाँचवीं लाइन के निलंबन के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी, जिनका विवरण सभी उपनगरीय स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध रहेगा।

ब्लॉक के कारण प्रभावित ट्रेनों का विवरण संलग्न परिशिष्टों में दिया गया है:

परिशिष्ट-I: 20/21 दिसंबर, 2025 को तथा 21 से 25 दिसंबर, 2025 तक निरस्त ट्रेनें

परिशिष्ट-II: 26 दिसंबर, 2025 को निरस्त ट्रेनें

नोट: उपनगरीय लोकल ट्रेनों पर पड़ने वाले प्रभाव की सूचना यथासमय दी जाएगी। 31 दिसंबर, 2025 के लिए नववर्ष समारोह को ध्यान में रखते हुए असामान्य निरस्तीकरण न हों, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

पश्चिम रेलवे

मरम्मत का काम

सीनियर डीईई/पी/बीसीटी ने टेंडर नोटिस नंबर EL-81-2-671-WA-66, तारीख: 16.12.2025 जारी किया है। **काम और जगह:** चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग में छठी और सातवीं मंजिल की बाहरी दीवारों, RCC सदस्यों की छत और छज्जों की मरम्मत के संबंध में चर्चगेट-इलेक्ट्रिकल (पावर) का काम। **काम की अनुमानित लागत:** 19,95,328.00 **ईएमडी:** 39,900.00 **जमा करने की तारीख और समय:** 12.01.2026 तक, 15.00 बजे। **खोलने की तारीख और समय:** 12.01.2026 को 15.30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0905

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

'पार्सल एसएलआर/वीपी की लीजिंग' के अनुबंध के लिए ई-नीलामी

मुंबई डिवीजन से शुरू होने वाली ट्रेनों में पार्सल एसएलआर को लीज पर देने के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही ढ्ढिंए वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है; विवरण इस प्रकार हैं:-

अनुबंध का प्रकार: पार्सल	अनुबंध अवधि: 3 वर्ष	श्रेणी: पार्सल एसएलआर

नीलामी कैटलॉग नंबर	लॉट नंबर	ई-नीलामी की तारीख और समय
MMCT PLS-25-84	21901-SLR-F1-BDTS-BME 25-3	लॉट के लिए ई-ऑक्शन 23.12.2025 को 12.00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।
MMCT PLS-25-85	12961-SLR-R1-MMCT INDB-25-2	लॉट के लिए ई-ऑक्शन 26.12.2025 को 12.00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।
	22564-SLR-F1-UDN-JYG 25-1	
MMCT PLS-25-86	20929-SLR-R1-UDN-BNRS-25-1	लॉट के लिए ई-ऑक्शन 30.12.2025 को 12.00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।

नोट: पार्सल SLR/VP के ई-ऑक्शन की जानकारी के लिए कृपया इस साइट पर जाएं: www.ireps.gov.in

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly 0901

पश्चिम रेलवे

वार्षिक रखरखाव अनुबंध

SR.CDO-MMCT टेंडर नोटिस नंबर RE-MMCT-ACWP-OTR-AMOC-2025, दिनांक: 16.12.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थान:** कोचिंग डिपो MMCT में ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट (ACWP) के लिए एक बार की मरम्मत, उसके बाद 05 साल की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव और परिचालन अनुबंध (CAMOC) का प्रस्ताव। **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,52,69,233.57/- (सभी शामिल) EMD: 2,26,400.00/- **जमा करने की तारीख और समय (बंद होने का):** 13.01.2026 तक, 15.00 बजे। **खुलने की तारीख और समय:** 13.01.2026 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं 0902

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मरम्मत का काम

डिविजनल रेलवे मैनेजर, वेस्टर्न रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 टेंडर नोटिस नंबर BCT/25-26/282 तारीख: 15.12.2025 आमंत्रित करते हैं। **काम का नाम:** कोलाबा-बधवारपार्क-बधवारपार्क रेलवे ऑफिसर कॉलोनी के कैंपस के तहत रिहायशी क्वार्टर बिल्डिंगों के चारों ओर सर्कुलेटिंग एरिया की मरम्मत।**काम की अनुमानित लागत:** 14236907.94/- **ईएमडी:** 2212200/- **जमा करने की तारीख और समय:** 09.01.2026 तक, 15.00 बजे। **खोलने की तारीख और समय:** 09.01.2026 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0900

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मुख्यमंत्री ने टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने वाली महिला टीम की नेत्रहीन खिलाड़ियों को सम्मानित किया

राज्य सरकार नेत्रहीन खिलाड़ियों को हर मुमकिन मदद देगी।- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय नेत्रहीन महिला ऊ20 क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को ग्लोबल लेवल पर उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन और चैंपियनशिप जीतने के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार महिला खिलाड़ियों को प्रैक्टिस में आने वाली मुश्किलों को दूर करने और उन्हें फाइनेंशियल मदद, नौकरी के मौके और ज़रूरी सुविधाएं देने की पूरी कोशिश करेगी।

विश्व विजेता टीम की खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री के सरकारी घर वर्षा में हुए कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। स्पोर्ट्स एंड यूथ वेलफेयर कमिश्नर शीतल तेली उगले, टीम कैप्टन दीपिका टी.सी. इस अवसर पर उपकप्तान व महाराष्ट्र की खिलाड़ी गंगा कदम, भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ के अध्यक्ष के.जी. महांतेश, खेल विभाग के उपसचिव सुनील पंधारे, जिला खेल अधिकारी सुवर्णा बारटक्के व टीम के खिलाड़ी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इन खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही। फाइनल मैच में निर्णायक जीत हासिल कर भारतीय लड़कियों ने दृष्टिबाधित क्रिकेट में अपना दबदबा साबित किया। इस जीत से पूरे देश में खुशी का माहौल है और भारत दृष्टिबाधित महिला टी-20 क्रिकेट की पहली चैंपियन के रूप में इतिहास में दर्ज हो गया है। यह जीत इतिहास में दर्ज रहेगी। इस सफलता के पीछे खिलाड़ियों की अपार मेहनत, लगातार अभ्यास और अनेक कठिनाइयों को पार करने का दृढ़ निश्चय है। प्रत्येक खिलाड़ी की अपनी संघर्ष कहानी है और उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानकर अभ्यास जारी रखा। 'कोशिश करने वालों ने कभी हार नहीं मानी' इस वाक्य को इस टीम ने चरितार्थ किया है। टीम द्वारा उठाई गई कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार हर संभव मदद करेगी। साथ ही, खिलाड़ियों की प्रैक्टिस के लिए अलग और पक्के मैदान और दूसरी सुविधाएं देने के बारे में स्पोर्ट्स कमिश्नर के ज़रिए सही कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि खेल की तरक्की में कोई भी पैसे या परिवार की दिक्कत रुकावट न बने, इसके लिए हर ज़रूरी मदद दी जाएगी।

देश में खेल और खिलाड़ियों को दी जाने वाली अहमियत बढ़ रही है। पहले, करियर के तौर पर खेलों को कम अहमियत दी जाती थी; लेकिन अब यह सोच बदल रही है, फडणवीस ने इस मौके पर अपनी राय रखी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भले ही गंगा कदम महाराष्ट्र की एक झील है, लेकिन यहां मौजूद सभी खिलाड़ी भारत की लड़कियां हैं। इसलिए, हम सभी खिलाड़ियों की मदद करने में मदद करेंगे।

इन खिलाड़ियों ने ऐसा काम किया है जिससे देश को गर्व होगा। अच्छा काम करते रहें; देश और राज्य सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

ज़िद ने वर्ल्ड कप को भारत वापस लाया - महंतेश

चेयरमैन महंतेश ने कहा कि इन लड़कियों ने न सिर्फ़ भारत को गर्व महसूस कराया है, बल्कि उससे भी आगे बढ़कर समाज को प्रेरणा दी है। दीपिका और उनकी पूरी टीम ने पक्का इरादा दिखाया और वर्ल्ड कप को भारत लाया। यह जीत पूरे देश की है। महाराष्ट्र में देखने में दिक्कत वाले खिलाड़ियों के लिए एक परमानेंट, दिव्यांगों के लिए सही जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की।

पिता का सपना पूरा किया - वाइस-कैप्टन गंगा कदम

इस मौके पर टीम की वाइस-कैप्टन गंगा कदम ने अपनी भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री से मिलने का मौका मिलने से पूरी टीम का कॉन्फिडेंस बढ़ा है। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से मिली थी। आज मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि पूरी टीम मेरे साथ आई है। मेरे पिता चाहते थे कि मैं खेल में आगे बढ़ूं। जब मैं रेगुलर प्रैक्टिस कर रही थी, तभी अचानक मेरे पिता का निधन हो गया। मुझे उस दुख से उबरने में समय लगा। उस समय कई लोगों ने मुझसे कहा कि खेल छोड़ दो, पढ़ाई करो और कुछ और करो। लेकिन मुझे पता था कि मेरे पिता का सपना क्या था। पिता की मौत के 13 दिन बाद मैंने फिर से प्रैक्टिस शुरू कर दी। वह यह कहते हुए इमोशनल हो गईं कि वह फैसला मेरी ज़िंदगी का सबसे मुश्किल लेकिन सबसे अहम भी था।

2017 में, नासिक में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के ज़रिए पहली बार देखने में दिक्कत वाली लड़कियों को क्रिकेट खेलने का मौका मिला। तभी मुझे एहसास हुआ कि अगर हमें भी मौका मिले, तो हम देश के लिए खेल सकते हैं। कई मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, हमने प्रैक्टिस करना नहीं छोड़ा। क्योंकि स्पोर्ट्स हमारे लिए सिर्फ़ एक हॉबी नहीं है, यह हमारी सेल्फ-रिस्पेक्ट है। अगर हमें प्रैक्टिस के लिए सही ग्राउंड, फैसिलिटी और फाइनेंशियल सपोर्ट मिले, तो हम और भी बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। हम महाराष्ट्र और देश के लिए और मेडल जीत सकते हैं, उन्होंने इन शब्दों में अपनी भावनाएं जाहिर कीं।

हम कड़ी मेहनत करेंगे, सरकार को हमारा साथ देना चाहिए - कैप्टन दीपिका

टीम कैप्टन सुश्री दीपिका ने कहा कि हम सिर्फ़ अपने लिए ही नहीं, बल्कि अपने परिवार के लिए भी ज़िम्मेदार हैं। हमें घर का ध्यान रखना है

बौद्धिक रूप से अक्षम छात्रों के लिए 'दिशा' पाठ्यक्रम का प्रभावी कार्यान्वयन अनिवार्य है।- सचिव तुकाराम मुंडे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिव्यांग कल्याण विभाग ने बौद्धिक रूप से अक्षम छात्रों की शिक्षा में गुणवत्ता, एकरूपता और निरंतरता लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के विशेष स्कूलों में बौद्धिक रूप से अक्षम छात्रों के लिए तैयार किए गए 'दिशा' विशेष पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्णय लिया गया है। दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव तुकाराम मुंडे ने कहा कि राज्य के सभी विशेष स्कूलों में बौद्धिक रूप से अक्षम छात्रों के लिए दिशा पोर्टल, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली को लागू करना अनिवार्य है। सचिव मुंडे ने कहा, सभी विशेष स्कूलों को 'दिशा' पोर्टल पर लाना, प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, प्रत्येक छात्र के लिए व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम और व्यक्तिगत चिकित्सा कार्यक्रम तैयार करना, बहु-संवेदी शिक्षण विधियों को अपनाना और नियमित मूल्यांकन और समीक्षा करना आवश्यक है। इस पूरी प्रक्रिया की जिम्मेदारी जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और मुंबई शहर और उपनगरों के जिला कलेक्टरों को सौंपी गई है।

इस निर्णय से राज्य में बौद्धिक रूप से अक्षम छात्रों की शिक्षा में गुणवत्ता, एकरूपता और निरंतरता आएगी और उनके समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा। जो स्कूल दिशा पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करेंगे, उन्हें 'दिशा कार्यान्वयन स्कूल' के रूप में प्रमाणित किया जाएगा। सरकारी निर्णय में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जो स्कूल मानदंडों को पूरा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जैसे कि अनुदान रोकना या संस्थान का पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द करना। सचिव मुंडे ने कहा कि दिशा पाठ्यक्रम की किताबों, वर्कबुक और शिक्षक मैनुअल की मुद्रित प्रतियां वित्तीय वर्ष 2026-27 से छात्रों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

सचिव मुंडे ने कहा, दिशा अभियान में सभी बौद्धिक रूप से अक्षम विशेष स्कूलों की पूर्ण भागीदारी अनिवार्य कर दी गई है। प्रधानाचार्य और दिशा समन्वयक की बैठकों, ऑनलाइन और आमने-सामने प्रशिक्षण, वार्षिक दिशा कैलेंडर और 'दिशा कार्यान्वयन स्कूलों' की अवधारणा को लागू करने पर जोर दिया गया है। विशेष स्कूलों के नवीनीकरण प्रस्तावों में दिशा अभियान के कार्यान्वयन का उल्लेख करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन साल में दो बार किया जाएगा, और मध्य-सेमेस्टर और अंतिम सेमेस्टर में विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा और माता-पिता को एक रिपोर्ट दी जाएगी। जो स्कूल 'दिशा' पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करेंगे, उन्हें दिशा कार्यान्वयन स्कूलों के रूप में प्रमाण पत्र दिया जाएगा, और जो स्कूल निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ अनुदान रोककर या पंजीकरण रद्द करके कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सरकार का फैसला विकलांगों के कल्याण विभाग द्वारा जारी किया गया है और यह महाराष्ट्र सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ठाणे में तेंदुआ का आतंक, आवासीय सोसायटी में चार लोग पर किया हमला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भायंदर इलाके में एक आवासीय सोसायटी में एक तेंदुआ घुस आया। इसके साथ ही तेंदुआ के हमले से चार लोग घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में दहशत फैल गई। एक अधिकारी ने बताया, 'भयंदर पूर्व में तलाव रोड के किनारे स्थित घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में सुबह एक तेंदुआ घुस आया। उसने कुछ राहगीरों पर हमला कर दिया। इसके बाद वह 'पारिजात' नामक एक इमारत में घुस गया, जहां उसने कुछ निवासियों पर हमला किया।'

तेंदुआ कुछ समय के लिए हाउसिंग सोसाइटी के एक कमरे में छिपा रहा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में जानवर को एक संकरे रास्ते से गुजरते हुए और साथ ही सीढ़ियों जैसी दिखने वाली जगह पर चलते हुए दिखाया गया। आगे उन्होंने बताया कि घायल व्यक्तियों को बाद में पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही नवघर पुलिस स्टेशन और भायंदर दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे और इलाके को सुरक्षित करने के लिए अभियान शुरू किया। ठाणे के वन विभाग और संजय

गांधी राष्ट्रीय उद्यान (एसजीएनपी) की टीमें भी उनके साथ शामिल हुईं।

इमारत को सील किया गया है

अधिकारी ने बताया, 'आखिरकार जानवर को घेर लिया गया , जिससे निवासियों को और नुकसान होने से बचा लिया गया। एहतियात के तौर पर पूरी इमारत और आसपास के इलाकों को सील कर दिया गया है और निवासियों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है।'वन्यजीव कल्याण के लिए बचाव संघ (आरएडब्ल्यूडब्ल्यू) के पवन शर्मा, जो मानद वन्यजीव वार्डन भी हैं, ने कहा, 'हमारी टीमें जमीनी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और जरूरत पड़ने पर बचाव सहायता को तैयार रखा गया है।' उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों से अपने घरों के अंदर रहने और इलाके में भीड़भाड़ से बचने का आग्रह किया गया है।

राजदूत विशाल शर्मा ने चैत्यभूमि का दौरा किया और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचार विश्व स्तर पर फैले- राजदूत विशाल शर्मा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा का पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में अनावरण किया गया। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में यह पहली बार है कि यूनेस्को में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई है, और इस घटना ने विशेष ऐतिहासिक महत्व हासिल किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया के नागरिकों को डॉ. अंबेडकर द्वारा देश को दिए गए संविधान के साथ-साथ शिक्षा, मानवाधिकार और सामाजिक समानता के मूल्यों से परिचित कराना है, यह बात पेरिस में यूनेस्को में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा ने कही।

राजदूत विशाल शर्मा ने दादर में चैत्यभूमि का दौरा किया और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। वे उस समय बोल रहे थे।

राजदूत विशाल शर्मा ने कहा, 'केंद्र सरकार और राज्य सरकार की संयुक्त पहल से संभव हुए इस फैसले से, संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में पहली बार यूनेस्को में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई है। डॉ. अंबेडकर का जीवन, जिन्होंने शिक्षा को प्रगति का मुख्य साधन माना, आज के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहा है।'

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर बचपन से ही मेरे रोल मॉडल रहे हैं। बाबासाहेब ने शिक्षा के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया है, और उन्होंने समाज को जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से बाबासाहेब के जीवन से प्रेरणा लेने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की।

मीडिया से बातचीत करते हुए, राजदूत विशाल शर्मा ने कहा, 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा यूनेस्को को भेंट करने का ऐतिहासिक फैसला सरकार के सहयोग से संभव हुआ।' राजदूत विशाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे और महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया।

पालघर जिले में हत्या के आरोपी पति-पत्नी 16 साल बाद Madhya Pradesh से गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक रियल एस्टेट एजेंट की हत्या में कथित तौर पर शामिल पति-पत्नी को 16 साल बाद मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी धर्मेंद्र रामशंकर सोनी (54) और उसकी पत्नी किरण धर्मेंद्र सोनी (50) को मध्य प्रदेश के इंदौर से हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, अप्रैल 2009 में मुंबई के बाहरी इलाके नालासोपारा पूर्व में कमीशन के पैसे को लेकर हुए विवाद के बाद एक प्रॉपर्टी एजेंट की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद सोनी दंपति समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि अन्य तीन फरार थे। वरिष्ठ निरीक्षक शाहूराज राणावरे ने बताया कि मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस की अपराध शाखा प्रकोष्ठ-3 ने हाल ही में इस मामले की जांच फिर शुरू की और दंपति को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के महू गांव में ढूंढ निकाला।

उन्होंने बताया कि दंपति को नालासोपारा लाया गया और एक स्थानीय अदालत ने उन्हें 22 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। उन्होंने यह भी बताया कि चौथा आरोपी अब भी फरार है।

सनबर्न फेस्टिवल में शराब की अनुमति पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से कहा- नीति पर पुनर्विचार करें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में पहली बार आयोजित हो रहे सनबर्न म्यूजिक फेस्टिवल में शराब परोसने की अनुमति को लेकर महाराष्ट्र सरकार से कड़े सवाल पूछे हैं। अदालत ने सरकार को उसकी शराब नीति पर दोबारा सोचने की सलाह दी है। मुख्य न्यायाधीश शिरी चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड़ की पीठ इस मामले में दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका मुंबई निवासी चिंतामणि सारंग ने दायर की है, जिसमें फेस्टिवल के दौरान शराब बिक्री और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई गई है।

मुंबई के सेवड़ी आयोजित की जा रही है सनबर्न फेस्टिवल

सनबर्न फेस्टिवल 19 से 21 दिसंबर तक मुंबई के सेवड़ी इलाके में, अटल सेतु के नीचे मौजूद इन्फिनिटी बे में आयोजित किया जा रहा है। यह एक ओपन-एयर कार्यक्रम है, जिसमें रोजाना दोपहर तीन बजे से रात 10 बजे तक करीब आठ घंटे संगीत कार्यक्रम होंगे। इसमें 16 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों को प्रवेश की अनुमति है। इस सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने अदालत को भरोसा दिलाया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस हालात संभालने में सक्षम होगी।

'हमें इलाज से पहले सावधानी बरतनी चाहिए'

हालांकि, अदालत इस दलील से संतुष्ट नहीं दिखी। पीठ ने टिप्पणी की कि अगर हजारों लोग शराब पीकर मौजूद होंगे,

तो केवल 200 पुलिसकर्मियों के लिए स्थिति संभालना मुश्किल हो सकता है। अदालत ने कहा, 'हमें इलाज से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। शराब पीकर खुले में घूमना आम लोगों के लिए मना है, तो इनके लिए कानून अलग क्यों हो?' हाईकोर्ट ने फिलहाल फेस्टिवल पर रोक लगाने का कोई आदेश नहीं दिया, लेकिन जनहित याचिका को लंबित रखते हुए कहा कि वह इस मामले में आगे विस्तार से सुनवाई करेगा। अदालत ने यह भी कहा कि यह सही मौका है जब शराब लाइसेंस देने की नीति पर स्पष्ट कानून बनाया जाए।

कार्यक्रम के आयोजकों ने क्या दी सफाई?

वहीं, फेस्टिवल आयोजकों की ओर से पेश वकीलों ने बताया कि कार्यक्रम तय समय पर शुरू हो चुका है और उनके पास सभी जरूरी अनुमतियां हैं। आयोजकों के अनुसार, सुरक्षा के लिए 250 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे, 500 से अधिक सुरक्षा कर्मी, पुलिस और मेडिकल सुविधाएं मौके पर मौजूद हैं। अब तक करीब 31 हजार टिकट बिक चुके हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने एक समय आयोजकों से 100 करोड़ रुपये जमा कराने की बात कही, लेकिन इस संबंध में कोई आदेश पारित नहीं किया। अब यह मामला आगे की सुनवाई के लिए सुरक्षित रखा गया है और सबकी नजरें इस पर टिकी हैं कि हाईकोर्ट इस मुद्दे पर क्या दिशा-निर्देश देता है।

राज्य में आज 23 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए वोटिंग

मुंबई, तारीख 19: राज्य में 23 नगर परिषदों और नगर पंचायतों में चेयरमैन और सदस्य के पदों के लिए; साथ ही, विभिन्न नगर परिषदों और नगर पंचायतों में 143 सदस्य पदों के लिए वोटिंग शनिवार, 20 दिसंबर को होगी और सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए वोटों की गिनती 21 दिसंबर, 2025 को होगी। राज्य चुनाव आयोग ने 4 नवंबर, 2025 को राज्य में 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के आम चुनावों का शेड्यूल घोषित किया था। इसके अनुसार, 263 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर, 2025 को वोटिंग हुई थी। बाकी जगहों पर कल वोटिंग होगी। वोटों की गिनती 21 दिसंबर, 2025 को सभी संबंधित जगहों पर सुबह 10 बजे शुरू होगी।

पूर्व मंत्री माणिकराव कोकाटे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत; सजा की निलंबित, जमानत भी मिली

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 1995 के धोखाधड़ी और जालसाजी मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता माणिकराव कोकाटे को जमानत देते हुए शुक्रवार को दो साल की सजा को भी निलंबित कर दिया है। माणिकराव कोकाटे को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर अदालत ने जमानत दे दी।

हालांकि कोर्ट ने सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया

कोकाटो को नासिक सत्र न्यायालय ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैट आवंटित कराने के लिए धोखाधड़ी करने के आरो में दो साल की सजा सुनाई थी।महाराष्ट्र सरकार में खेल मंत्री रहे माणिकराव कोकाटे को इस मामले में सजा सुनाए जाने के चलते मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

कोर्ट ने कहा, 'सिर्फ सजा निलंबित होने की वजह से आपराधिक अपराध में दोषी व्यक्ति को (कैबिनेट पद पर रहने की) इजाजत देना पब्लिक सर्विस को गंभीर और अपूरणीय नुकसान पहुंचाएगा। अपने आदेश में जस्टिस आर एन लड्ढा ने कहा कि कोकाटे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पूरे ट्रायल के दौरान और सेशन कोर्ट में अपील लंबित रहने के दौरान भी जमानत पर थे।

हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि जेल की सजा सिर्फ दो साल थी, इसलिए वह जमानत देने के पक्ष में हैं। हाईकोर्ट ने कहा, सजा निलंबित करने की अर्जी मंजूर की जाती है....आवेदक को जमानत के तौर पर एक लाख रुपये जमा करने होंगे, क्योंकि उसने सेशन कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ कोकाटे की रिवीजन याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया, जिसने उनकी सजा को बरकरार रखा था।

कोकाटे के वकील रवि कदम ने दलील दी कि उन्हें बांद्रा के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी एंजियोग्राफी हुई थी और शुक्रवार दोपहर को उनकी एसओएस एंजियोप्लास्टी होनी थी। सरकारी वकील मनकुंवर देशमुख ने कोकाटे की जमानत याचिका का विरोध किया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कोकाटे के इस्तीफे के बाद एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, 'महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और मेरे पार्टी सहयोगी माणिकराव कोकाटे ने माननीय न्यायालय के फैसले के बाद मुझे अपना इस्तीफा सौंप दिया है। हमारी पार्टी के उस दीर्घकालिक सिद्धांत के अनुरूप कि कानून का शासन सर्वोपरि है और सभी व्यक्तियों से ऊपर है, मैंने सैद्धांतिक रूप से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। मैंने संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार उनका इस्तीफा माननीय मुख्यमंत्री को उचित विचार और स्वीकृति के लिए भेज दिया है।'

नासिक सत्र न्यायालय ने निचली अदालत के 20 फरवरी के आदेश को बरकरार रखते हुए मंगलवार को कहा था कि कोकाटे ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैट आवंटित कराने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा किए और राज्य सरकार को धोखा दिया जबकि कोकाटे एक समृद्ध किसान हैं। वहीं इस मामले में बुधवार को उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया गया है। इससे कोकाटे पर मंत्री पद से इस्तीफे का दबाव बना है। इसके बाद वे लीलावती अस्पताल में भर्ती हो गए थे।

सम्पादकीय

मुस्लिम मुल्कों में खुद पहुंचे मोदी यहूदी राष्ट्र में जय को भेजा

इजराइल और सऊदी के बीच बसा छोटे से मुल्क से पीएम मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा को शुरु करते हैं और इसमें मुस्लिम मुल्क इथोपिया वाया आखिरी पड़ाव ओमान है। ओमान वो मुस्लिम देश है जो हमेशा से ही यह अभी की बात नहीं है। शुरुआत से ही भारत हितेषी रहा है। एक तरफ पीएम मोदी जॉर्डन, इथोपिया और ओमान जैसे इस्लामिक देशों का दौरा कर रहे हैं तो ठीक उसी वक्त उनके दूत बनकर विदेश मंत्री एस जयशंकर यहूदी राष्ट्र के दौरे पर मीटिंग कर रहे हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि एक ही समय पर मिडिल ईस्ट के मुल्कों के दौरे से भारत दुनिया को मैसेज देने का काम कर रहा है। दरअसल, 15 दिसंबर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा पर निकले हैं। पीएम मोदी ने अपने मीडिल ईस्ट के दौरे की शुरुआत जॉर्डन से करते हुए इथोपिया के बाद ओमान में इसे विराम देंगे। पीएम मोदी की इस यात्रा का मकसद मिडिल ईस्ट में रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करना है। भारत ने ये पहल तब की है जब जियोपॉलिटिकल माहौल ट्रेड की खींचतान, एनर्जी की समस्या, सुरक्षा संकट और दूसरी रणनीतिक और आर्थिक दिक्कतों से घिरा हुआ है।पाकिस्तान लगातार ये कोशिश कर रहा है कि पूरी दुनिया ना सही बल्कि जितने भी इस दुनिया में इस्लामिक देश हैं या फिर मुस्लिम देश हैं वो भारत के खिलाफ खड़े हो और इसी को लेकर समय-समय पर पाकिस्तान कोशिशें करता रहता है। भारत के खिलाफ भ्रामक खबरें फैलाने की कोशिश करता है। एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश करता है। लेकिन पाकिस्तान इन हथखंडों में अब विफल साबित हो रहा है। कई ऐसे मुस्लिम देश है या फिर इस्लामिक देश हैं जो ओआईसी के मेंबर्स भी हैं। वह अब धीरे-धीरे भारत के साथ आ रहे हैं। चाहे हम कुवैत की बात कर लें, बहरीन की बात कर लें। जॉर्डन पश्चिम एशिया में एक अहम जियोपॉलिटिकल हब की तरह है। इसकी सीमाएं इराक, सीरिया, इजराइल और फिलिस्तीन से लगती हैं, जिससे पूरे क्षेत्र के लिए यह बेहद जरूरी हो जाता है। भारत और ओमान के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते यानी सीईपीए पर मुहर लग सकती है।

एक फोन कॉल आता है। यह फोन कॉल पीएमओ में होती है। बहुत महत्वपूर्ण बातचीत होती है। दरअसल यह फोन होता है इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन ने नेत्याहू का जो अपने दोस्त, मित्र और सहयोगी साथी के साथ फोन पर बात करना चाहते हैं। पीएम मोदी फोन पर आते हैं। उनसे बातचीत तय होती है कि इस वक्त पर बातचीत होगी तो बातचीत हो जाती है और फिर कई मुद्दों पर दोनों एक दूसरे से राय साझा करते हैं। बातचीत होती है और उसके बाद कहा जाता है कि जल्द असर दिखेगा। मिलते हैं और अब देखिए ग्राउंड पर एक्शन दिखाई दे रहा है। 10 तारीख की घटना और आज हम 16 दिसंबर को यह बात कर रहे हैं और 16 दिसंबर को इस देश के विदेश मंत्री यानी कि डॉक्टर एस जयशंकर इजरायल पहुंचते हैं और विदेश मंत्री से मुलाकात करते हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात करते हैं और राष्ट्रपति से भी मिलते हैं। यानी कि एक थरो एक्शन प्लान जो पहले से तैयार था उसका एग्जीक्यूशन शुरू हो गया है। डॉक्टर एस जयशंकर जब इजराइल पहुंचे तो वहां पहुंचकर उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बयान दिया है। इजराइल के साथ अपने संबंध को मजबूत बनाने यानी कि गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट कनेक्ट, बिजनेस टू बिजनेस कनेक्ट, पीपल टू पीपल कनेक्ट पर जोर दिया है। इजराइल के साथ सहयोग बढ़ाने पर, इजराइल के साथ दोस्ती मजबूत करने पर जयशंकर ने अपना कमिटमेंट दर्शाया है।

वेस्ट एशिया यानी कि पश्चिमी एशिया की मौजूदा स्थितियों पर विचार पर आदान-प्रदान होता है। पीएम ने कहा कि जो गाजा पीस प्लान है उस पर अच्छे से काम होना चाहिए और शांति के तमाम प्रयासों को भारत का समर्थन रहेगा। बातचीत के अंत में दोनों नेता यह तय करते हैं कि जल्द मिलते हैं। यह बात इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी पीएम मोदी से बातचीत के क्रम में दोहराते हैं कि जल्द मिलते हैं। और अब उसका एक्शन आपको दिख रहा है कि इजराइल से बैठकर जो बयान भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिया है। यानी कि रूपरेखा तैयार हो रही है मुलाकात की। कुछ बड़े फैक्ट्स हो सकते हैं। जो यात्रा है जो मुलाकात होगी तो उसमें संभावनाएं किन विषयों पर हैं? एक तो देखिए ये जो नेतृत्व के मुलाकात से पहले के बैकग्राउंडर्स हैं उसकी तैयारी दिखाई पड़ती है और ये जो बटरल्स हैं द्विपक्षीय जो है मसले क्षेत्रीय मुद्दे हैं उस पर चर्चा हो रही है ताकि भारत इजराइल की जो रणनीतिक साझेदारी है उसको मजबूत किया जा सके जो जयशंकर का यात्रा है उसके मद्देनजर ताकि आगे जो ये संभावित यात्रा है मुलाकात है भारत के प्रधानमंत्री और इजराइल के करना चाह रहे हैं और देखिए ये तमाम बैकग्राउंडर्स हैं, रक्षा है, स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप है, तमाम चीजें हैं।

गेटवे ऑफ़ बॉम्बे से विकसित महानगरी तक

प्रबुद्ध मुंबईकरों की चेतना और विकासोन्मुख राजनीति

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

मुंबई केवल भारत की आर्थिक राजधानी नहीं है, बल्कि यह देश की वैचारिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दिशा तय करने वाली महानगरी भी है। देश के इतिहास में मुंबई ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि यहाँ होने वाले परिवर्तन केवल स्थानीय नहीं होते, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श को दिशा देते हैं। 'गेटवे ऑफ़ बॉम्बे' आज मात्र एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं, बल्कि सत्ता, संसाधन, शहरी प्रशासन और राष्ट्रीय राजनीति के प्रवेश-द्वार का सशक्त प्रतीक बन चुका है। ऐसे में मुंबई महानगरपालिका का चुनाव किसी नगर निकाय की साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह तय करने वाला जनादेश है कि भारत की यह महानगरी किस सोच, किस नेतृत्व और किस विकास-मॉडल के साथ आगे बढ़ेगी।

भावनात्मक राजनीति से विवेकशील जनमत की ओर

मुंबई ने अतीत में जाति, धर्म और अस्मिता की राजनीति के अनेक दौर देखे हैं। कभी 'मराठी मानुष' के नाम पर, तो कभी धर्म और पहचान के आधार पर जनता को बाँटने के प्रयास हुए। इन प्रयासों ने कुछ समय के लिए राजनीतिक लाभ अवश्य दिए, किंतु उन्होंने शहर की मूल समस्याओं का समाधान नहीं किया।

आज का मुंबईकर इन संकीर्ण दायरों से बाहर निकल चुका है। वह भावनाओं के उन्माद से नहीं, बल्कि विवेक, अनुभव और भविष्य की चिंता से मतदान करना चाहता है। उसे अब किसी जाति या धर्म के ठेकेदार बनने वाले स्वयंभू नेताओं की आवश्यकता नहीं। वह साफ़, सुथरी, ईमानदार और परिणाम देने वाली राजनीति चाहता है।

आज मतदाता यह सवाल पूछ रहा है कि उसके बच्चे की शिक्षा का स्तर क्या होगा, परिवार को स्वास्थ्य सुविधाएँ कितनी सुलभ और भरोसेमंद मिलेंगी, शहर की सड़कें, परिवहन व्यवस्था, आवास और पर्यावरण किस दिशा में जा रहे हैं। यही प्रश्न आधुनिक लोकतंत्र की पहचान हैं और यही प्रश्न आज के चुनावी विमर्श का केंद्र बनने चाहिए।

बीएमसी : सत्ता का नहीं, सेवा का केंद्र

मुंबई महानगरपालिका देश की सबसे समृद्ध नगरपालिकाओं में से एक है। उसका वार्षिक बजट कई राज्यों के बजट के बराबर है। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह इस बात की कसौटी है कि इतने विशाल संसाधनों का उपयोग जनता के हित में कितनी पारदर्शिता, दक्षता और ईमानदारी से किया जाएगा।

आज मुंबई जिन चुनौतियों से जूझ रही है–जलभराव, टूटी सड़कें, कचरा प्रबंधन, आवास संकट, स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव और सार्वजनिक परिवहन की सीमाएँ–उनका समाधान नारों और आरोप-

प्रत्यारोप से संभव नहीं है। इसके लिए सक्षम शहरी प्रबंधन, तकनीकी दक्षता, वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक नियोजन की आवश्यकता है।

हाइपरलोकल राजनीति और जागरूक मतदाता

मुंबई का चुनावी चरित्र विशिष्ट है। यहाँ हर वार्ड, हर गली और हर मोहल्ले के मुद्दे अलग-अलग हैं। स्थानीय समस्याएँ और स्थानीय नेतृत्व अब पहले से कहीं अधिक निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने मतदाता को अधिक जागरूक, सूचनासंपन्न और सवाल पूछने वाला बनाया है। आज मतदाता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि काम के रिकॉर्ड से नेतृत्व को परखता है। इसी कारण भ्रामक, विभाजनकारी और भावनात्मक राजनीति के लिए स्थान लगातार सीमित होता जा रहा है।

विकास और सुशासन की राजनीति

आज मुंबईकर जिस शासन-मॉडल पर भरोसा करता दिखाई देता है, वह विकास, सुरक्षा और सुशासन पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की अवधारणा ने शासन को जन-भागीदारी और परिणाम-केंद्रित बनाया है।

यह मॉडल केवल नारे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बुनियादी ढाँचे, सामाजिक सुरक्षा और प्रशासनिक सुधारों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ है।

महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस की कार्यशैली यह संदेश देती है कि राजनीति भावनात्मक उन्माद से नहीं, बल्कि नीति, नियोजन और ईमानदार प्रशासन से चलती है। मेट्रो परियोजनाएँ, कोस्टल रोड, स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार, निवेश-अनुकूल वातावरण और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था–ये सब उस दृष्टि के प्रतीक हैं जो मुंबई को सुरक्षित, शिक्षित और वैश्विक महानगरी बनाना चाहती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा : जनता का वास्तविक एजेंडा

आज के प्रबुद्ध मुंबईकर की प्राथमिकताएँ स्पष्ट हैं।

उसे आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहिए, ताकि उसका बच्चा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक सके।

उसे सुलभ, किफायती और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएँ चाहिए, ताकि बीमारी आर्थिक त्रासदी न बने।

उसे महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित शहर चाहिए।

उसे पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था चाहिए। और उसे पर्यावरण-संवेदनशील तथा समावेशी शहरी विकास चाहिए।

यही वे कसौटियाँ हैं जिन पर आज की राजनीति को परखा जा रहा है।

पहचान नहीं, परिणाम की राजनीति

आज का मुंबईकर यह समझ चुका है कि शहर का भविष्य नफरत, विभाजन और संकीर्ण राजनीति से नहीं, बल्कि विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से तय होता है। इसलिए 'गेटवे ऑफ़ बॉम्बे' की यह राजनीतिक जंग किसी एक दल की नहीं, बल्कि एक आधुनिक, विवेकशील और उत्तरदायी लोकतंत्र की परीक्षा है।

अब बाँटने की राजनीति नहीं चलेगी।

जाति और धर्म के नाम पर नगरपालिकाओं पर शासन करने वालों की अयोग्यता जनता देख चुकी है।

मुंबई का जनादेश अब स्पष्ट है–राजनीति पहचान की नहीं, परिणाम की होगी।

नारे नहीं, नीतियाँ निर्णायक होंगी।

मुंबई एक विश्व-स्तरीय नगरी है, और उसे वही नेतृत्व चाहिए जो उसकी संभावनाओं को वास्तविकता में बदल सके।

अचंभित होना जीवन की यात्रा का प्रारंभिक पड़ाव, यही आश्चर्य हमें नई ऊर्जा और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है

मनुष्य के जीवन में कई बार ऐसे क्षण आते हैं, जब वह अचानक किसी घटना या व्यवहार से अचंभित हो उठता है। अचंभा दरअसल बाहरी परिस्थितियों से जुड़ा होता है। जब कोई असंभव-सा कार्य पूरा हो जाए या अप्रत्याशित घटना घट जाए, तब मनुष्य का मस्तिष्क कुछ क्षण के लिए शून्य हो जाता है और प्रतिक्रिया नहीं दे पाता। यही अचंभा है।

यह अनुभव क्षणिक होता है और समय के साथ समाप्त भी हो जाता है। इसके विपरीत, आश्चर्य का संबंध मनुष्य के भीतर से है। यह मन की गहराई में जन्म लेता है और स्थायी रहता है। वास्तव में अचंभा ही आश्चर्य की भूमि तैयार करता है। जब कोई अचंभित करने वाली घटना हमें सोचने, समझने और जिज्ञासु बनने की दिशा में प्रेरित करती है, तभी वह आश्चर्य का रूप लेती है।

अचंभा केवल चौंकाता है, जबकि आश्चर्य हमें आत्मचिंतन और परिपक्वता की ओर ले जाता है। आश्चर्य मनुष्य की जिज्ञासा को जगाता है और उसे नई दृष्टि देता है। यह आंतरिक अनुभव हमें ज्ञान, सौंदर्यबोध और रचनात्मकता की ओर अग्रसर करता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि अचंभा क्षणिक प्रतिक्रिया है, जबकि आश्चर्य स्थायी अनुभूति।

अचंभित होना जीवन की यात्रा का प्रारंभिक पड़ाव है और उसी के सहारे मनुष्य गहरे आश्चर्य तक पहुंचता है। आखिर यही आश्चर्य हमें नई ऊर्जा और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

जब कोई मनुष्य लंबी जीवन-यात्रा से गुजरता है, तभी वह अपनी गहराई तक पहुंच पाता है। इस यात्रा में खोजने की प्रवृत्ति जन्म लेती है और यही प्रवृत्ति उसे आश्चर्य की अनुभूति कराती है। यह आश्चर्य मनुष्य को निरंतर खोज, गहन अध्ययन और जानने की इच्छा की ओर अग्रसर करता है। जब मनुष्य किसी सत्य से परिचित होता है, तो उसे आश्चर्य होता है, और उसी से प्रसन्नता की अनुभूति भी होती है। मगर कभी-कभी कोई दुखद घटना भी घट जाती है। इस तरह, सुख और दुख- दोनों भावों की तीव्रता से आश्चर्य की उत्पत्ति होती है।

खुशी से उपजा आश्चर्य मस्तिष्क पर अंकित हो जाता है। वहीं से भावनाओं का आवेग, ढकी-छिपी यादें और आत्मचिंतन की प्रक्रिया आरंभ होती है। अचानक प्राप्त हुई खुशी शरीर की स्थिति तक को प्रभावित कर देती है- कभी आंसुओं के रूप में, तो कभी हृदय की धड़कनों की गति बढ़ाकर। ऐसे क्षण शब्दविहीन हो जाते हैं, पर मन की गहराई तक पहुंचते हैं। यही खुशियां धीरे-धीरे हमारे भीतर समा जाती हैं, जिन्हें हृदय और मस्तिष्क से अलग करना कठिन हो जाता है।

मनुष्य का अचंभित या आश्चर्यचकित होना केवल किसी व्यक्तिगत घटना तक सीमित नहीं रहता। यह उसके अनुभवों, स्मृतियों और परिवेश से भी गहराई से जुड़ा होता है। जब कोई सुंदर परिदृश्य हमारी आंखों के सामने आता है, या कोई घटना घटती है, या कोई मधुर गीत और संगीत हमारे कानों को छूता है और हृदय को स्पर्श करता है, तब भी मन में वही आश्चर्य और भावनाओं का संयोग उत्पन्न होता है। यह अनुभव हमारे दृष्टिकोण को विस्तारित करता है, भावनात्मक संवेदनाओं को गहरा करता है और जीवन के छोटे-बड़े अनुभवों के प्रति हमारी समझ और सहानुभूति को बढ़ाता है।

जैसे ईश्वर की प्रार्थना, समाज-सेवा, आध्यात्मिक खोज, ध्यान और योग- ये सब कारक एक आस्थावान व्यक्ति को प्रसन्नता का भाव देते हैं। इन्हीं के माध्यम से उसे उस आंतरिक ऊर्जा का अनुभव होता है, जो ब्रह्मांड निरंतर सब तक पहुंचा रहा है। यह अनुभूति स्वयं में आश्चर्यजनक होती है और व्यक्ति को आगे खोजने की प्रवृत्ति तथा कार्य करने का उत्साह देती है। परिणामस्वरूप जीवन सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ने लगता है।

इसके विपरीत, अचानक आया दुख भी मनुष्य को आश्चर्य में डाल देता है। सुख और दुख दोनों ही आश्चर्य मस्तिष्क पर समान रूप से असर डालते हैं। आंसू वहां भी निकलते हैं, और हृदय की धड़कन वहां भी तेज हो जाती है। फर्क बस इतना है कि दुख का आश्चर्य मनुष्य को भीतर आत्मसात करने के बजाय बाहर की ओर धकेल देता है। यह नकारात्मकता उत्पन्न करता है, और इसी कारण कोई भी दुख की खोज नहीं करना चाहता।

इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने अंतर्मन में उतरकर दोनों प्रकार के आश्चर्यों में संतुलन बनाए। जीवन चक्र में सुख और दुख दोनों ही विस्मित करने वाले भाव होंगे और दोनों ही हमारे अनुभवों का हिस्सा होंगे। पर सच्ची खुशी तभी प्राप्त होती है, जब हम इन दोनों से ऊपर उठकर ध्यान, योग, अध्यात्म और प्रकृति से जुड़ते हैं। जब हम किसी भी विद्या से संबंध बनाकर अपने भीतर के कलुषित भावों को दूर करते हैं, छोटे-बड़े का भेद मिटाकर जिम्मेदारियों को पूर्ण रूप से निभाते हैं, तब हम सच्ची आंतरिक प्रसन्नता को पा सकते हैं।

आखिर जब मनुष्य त्याग और धैर्य के साथ जीता है, तब वह देखता है, आश्चर्य करता है कि बहुत कुछ छोड़कर ही सब कुछ पाया जा सकता है। यही भाव मनुष्य को आश्चर्य से भर देता है और आत्मानुभूति के अंतिम पड़ाव तक पहुंचा देता है।

नेहरू की उदासीनता, लोहिया का प्रयास, 'शांतिप्रिय' भारत के हमले से घबराए पुर्तगाली, आजादी के 14 साल बाद गोवा के लिए जब चलाया गया ऑपरेशन विजय

गंगा की आरती, घाटों की सीढ़ियाँ, धूप में चमकता जल, शंख-घंटों की ध्वनि बनारस की सुबह का मिजाज कुछ ऐसा ही हुआ करता है। वहीं नज़ाकत, नफ़ासत, ठहराव–इत्र की खुशबू, शायरी, तमीज़दार बातचीत और लखनवी अंदाज़ अवध की शाम को रंगीन बनाता है। इसलिए तो कहा भी जाता है कि जीवन में अगर बनारस की सुबह जैसी शुद्धता और अवध की शाम जैसी नर्मी आ जाए, तो दिन पूरा हो जाता है। बनारस की सुबह और अवध की शाम की चर्चा आपने सुनी है तो मद से भरे गोवा की नाइट लाइफ और ताजगी से भरे सूर्योदय का भी एहसास आपको करना चाहिए। गोवा के इसी मिजाज को समझते हुए घूमने-फिरने के शौकीनों ने अंग्रेजी में एक बात कही जब ज़िंदगी में बोरियत हावी हो जाए, तो गोवा चले जाओ! ढलती हुई शाम...सामने अथाह समंदर... इस समंदर में धीरे-धीरे डूबता सूरज और समुद्र के किनारे सूर्य की किरणों से सुनहरे हुए रेत के विशाल मैदान पर पसरे हुए आप। लगता है मानो शाम ठहर जाए। सपनों के इस सिलसिले पर ब्रेक न लग जाए। गोवा देश ही नहीं विश्व भर के पर्यटकों का प्रिय है। हर वर्ष लाखों लोग यहां पर छुट्टियां मनाने आते हैं लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि गोवा जाने के लिए भारतीयों को भी वीजा और पासपोर्ट की आवश्यकता पड़ सकती थी 15 अगस्त 1947 को जब पूरे भारत पर तिरंगा ध्वज लहरा रहा था तब उस उत्सव में गोवा सम्मिलित नहीं था। गोवा पर अब भी पुर्तगाल का औपनिवेशिक शासन बना हुआ था। फ्रांस के अधिकार वाले पांडिचेरी कराई कल और चंद्रनगर भी समय के साथ स्वतंत्र होते गए। लेकिन गोवा अब भी परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि भारत के इस छोटे से भूभाग के लोगों के लिए स्वतंत्रता अब भी लगभग डेढ़ दशक दूर है। गोवा के साथ साथ दादर नगर हवेली दमन और दीव क्षेत्र भी पुर्तगाल के अधिकार में थे।

आश्चर्य यह कि भारत की तत्कालीन सरकार इनकी मुक्ति का कोई गंभीर प्रयास करती नहीं दिख रही थी यह व्यवहार एक ऐसे क्षेत्र के साथ जो चार शताब्दी से अधिक समय तक कैथोलिक चर्च के बर्बर अत्याचारों का शिकार बन चुका था धर्म ग्रंथों के अनुसार गोवा भगवान परशुराम की धरती है वहां पर इसे गोमांतक कहा गया है गोवा में कभी इसके ढेरों प्राचीन चिन्ह भी हुआ करते थे लेकिन अधिकांश पुर्तगाली शासन के दौरान मिटा दिए गए वीर सावरकर ने अपने खंड काव्य गोमांतक में पुर्तगाली अत्याचारों का वर्णन किया है महाभारत में गोवा का उल्लेख गोप राष्ट्र अर्थात पालकों के देश के नाम से है 14वीं शताब्दी में यहां पर पहली बार इस्लामी आक्रमणकारियों के पैर पड़े थे लेकिन तब विजयनगर के राजा हरि हर प्रथम ने उन्हें खदेड़ दिया था लेकिन 100 वर्ष बाद फिर से दिल्ली की इस्लामी सल्तनत ने गोवा को अपने चंगुल में ले लिया।

महाभारत में गोवा का उल्लेख गोपराष्ट्र यानि गोपालकों के देश के रूप में मिलता है। गोवा के लंबे इतिहास की शुरुआत् तीसरी सदी इसा पूर्व से शुरू होता है जब यहाँ मौर्य वंश के शासन की स्थापना हुई थी। बाद में पहली सदी के शुरुआत में इस पर कोल्हापुर के सातवाहन वंश के शासकों का अधिकार स्थापित हुआ और फिर बादामी के चालुक्य शासकों ने इस पर वर्ष 580 से 750 तक राज किया। इसके बाद के सालों में इस पर कई अलग अलग शासकों ने अधिकार किया। वर्ष 1312 में गोवा पहली बार दिल्ली सल्तनत के अधीन हुआ लेकिन उन्हें विजयनगर के शासक हरिहर प्रथम द्वार वहाँ से खदेड़ दिया गया। 1469 में गुलबर्ग के बहामी सुल्तान द्वारा फिर से दिल्ली सल्तनत का हिस्सा बनाया गया। वर्ष 1510 में गोवा में पुर्तगालियों के कदम पड़े धीरे-धीरे उन्होंने पूरे क्षेत्र को अपना उपनिवेश बना लिया पुर्तगालियों का सबसे बड़ा उद्देश्य गोवा के सांस्कृतिक चरित्र को बदलना और हिंदु को ईसाई बनाना था इसी के लिए वर्ष 1560 में गोवा इनक्विजिशन की शुरुआत की गई। इनक्विजिशन चर्च द्वारा बनाई एक तरह की न्यायिक संस्था थी जिसका काम हिंदुओं को धर्मांतरण के लिए विवश करना था।

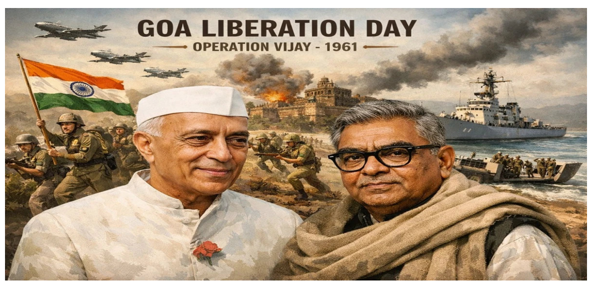

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2022 में गोवा में एक रैली के दौरान कहा था कि अगर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चाहते तो 1947 में ही कुछ ही घंटों के भीतर गोवा आज़ाद हो जाता। लेकिन कांग्रेस ने 14 वर्षों तक गोवा की आज़ादी के लिए कुछ नहीं किया। राम मनोहर लोहिया (डॉ. लोहिया) गोवा मुक्ति आंदोलन के प्रमुख नेता थे, जिन्होंने 1946 में गोवा में सत्याग्रह शुरू कर पुर्तगाली शासन के खिलाफ संघर्ष की शुरुआत की। इस आंदोलन में महात्मा गांधी का उन्हें स्पष्ट समर्थन मिला, लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने साथ नहीं दिया। यह अंतर दोनों नेताओं की विचारधारा, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निहित है। लोहिया ने गोवा को भारत का अभिन्न हिस्सा मानते हुए तत्काल मुक्ति की मांग की, लेकिन नेहरू की कूटनीतिक और शांतिवादी नीति ने उन्हें सैन्य या प्रत्यक्ष समर्थन से रोका। गांधीजी ने लोहिया के गोवा सत्याग्रह को पूर्ण समर्थन दिया क्योंकि यह उनकी अहिंसा और सिविल डिसओबिडिएंस की विचारधारा से मेल खाता था। 1946 में लोहिया ने गोवा में पुर्तगाली शासन के खिलाफ सत्याग्रह शुरू किया, जहां वे नागरिक अधिकारों की मांग कर रहे थे। गिरफ्तार होने

कूटनीति, शांतिवाद और अंतरराष्ट्रीय छवि नेहरू ने लोहिया के सत्याग्रह को समर्थन नहीं दिया क्योंकि उनकी प्राथमिकता अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान थी। नेहरू की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता और विश्व शांति पर आधारित थी, और वे भारत को एक शांतिवादी राष्ट्र के रूप में पेश करना चाहते थे। गोवा पुर्तगाली उपनिवेश था, और नेहरू को डर था कि सत्याग्रह या सैन्य हस्तक्षेप से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होगी। 1946 में लोहिया के सत्याग्रह के समय नेहरू ने कहा कि गोवा समस्या महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत को पहले अपनी स्वतंत्रता पर फोकस करना चाहिए।

गोवा के भारत में विलय की कहानी दमन और दीव के भारत में विलय की कहानी भी है। जब भारत के बड़े इलाके पर अंग्रेज हुकूमत कर रहे थे। तब गोवा, दमन और दीव पर पुर्तगाल का शासन था। ये दोनों राज्य यूरोप में भी पड़ोसी थे। गोवा वालों की राजकुमारी कैथरीन और इंग्लैंड के किंग्स चार्ल्स टू से हुई थी। तब पुर्तगालियों ने ही दहेज में अग्रेजों को मुंबई दी थी। मुंबई यानी उस वक्त की बम्बई तो आजाद होकर भारत का हिस्सा बन गया। लेकिन गोवा, दमन और दीव में पुर्तगाली जमे रहे। पुर्गताली गोवा को किसी भी कीमत पर छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। पुर्तगालियों ने आजादी के 14 साल बाद तक गोवा और दमन व दीप पर अपना कब्जा जमाए रखा। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और रक्षा मंत्री मेनन के बार-बार आग्रह करने के बावजूद पुर्तगाली भारत के आगे झुकने को बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। उनके खिलाफ स्थानीय लोगों ने विद्रोह किया। गोवा कांग्रेस बनी और आजादी का आंदोलन चलाया गया। भारत में जो कांग्रेस थी उसे उसका साथ मिला। देश आजाद हुआ तो पुर्तगाल से बात शुरू हई। लेकिन गोवा पर बात करने का पुर्तगात ने कोई जवाब नहीं दिया। 11 जून 1953 को पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भारत ने अपने दूतावास बंद किए। फिर पुर्तगाल पर प्रेशर गेम शुरू किया। गोवा, दमन और दीव के बीच आने जाने पर बंदिशे लग गई। 15 अगस्त 1955 को तीन से पांच हजार आम लोगों ने गोवा में घुसने की कोशिश की। लोग निहत्थे थे और पुर्तगाल की पुलिस ने गोली चला दी। 30 लोगों की जान चली गई। तनाव बढ़ने के बाद गोवा पर सेना की चढ़ाई की तैयारी की गई। 1 नवंबर 1961 में भारतीय सेना के तीनों अंगों को युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। भारतीय सेना ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ आखिरकार दो दिसंबर को गोवा मुक्ति का अभियान शुरू कर दिया। जमीन से सेना, समुद्र से नौसेना और हवा से वायुसेना गई। इसे ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया। बता दें कि 1999 के करगिल युद्ध को भी ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया था। लेकिन ये सेना का पहला ऑपरेशन विजय पुर्तगालियों के खिलाफ हुआ था। दिसंबर 1961 को गोवा की तरफ सेना पहली बार बढ़ी। सेना जैसे-जैसे आगे बढ़ती लोग स्वागत करते। कुछ जगह पुर्तगाल की सेना लड़ी। लेकिन हर तरफ से घिरे होने की वजह से पराजय तय थी। वायु सेना ने आठ और नौ दिसंबर को पुर्तगालियों के ठिकाने पर अचूक बमबारी की, थल सेना और वायुसेना के हमलों से पुर्तगाली तिलमिला गए। आखिर में 19 दिसंबर 1961 की रात साढ़े आठ बजे भारत में पुर्तगाल के गवर्नर जनरल मैन्यु आंतोनियो सिल्वा ने इंस्ट्रूमेंट ऑफ सरेंडर पर दस्तखत किए। इसी के साथ गोवा पर 451 साल का पुर्तगाली राज खत्म हुआ। इसी ऐतिहासिक घटना के सम्मान में गोवा लिबरेशन डे मनाया जाता है। ये भारतीय इतिहासा का महत्वपूर्ण बिंदू था जिसने हमारे देश को उस विदेशी शासन से पूरी तरह से मुक्त कर दिया था जो कई शताब्दियों तक चला था।

समेकित शिक्षा के तहत तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में मिल रही सफलता : बीएसए

जनपद के सभी विकास खंडों में कुल 1415 सहायक अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के प्रति विद्यालयों को अधिक समावेशी, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण बनाए जाने के उद्देश्य से समेकित शिक्षा के अंतर्गत जनपद प्रयागराज में तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आज संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को अधिक दक्ष एवं संवेदनशील बनाते हैं तथा दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक संचालित किया गया।

यह कार्यक्रम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार के निर्देशन में विकास पांडे, जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) के कुशल संयोजन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतर्गत जनपद के 48 स्पेशल एजुकेटर्स को समावेशी शिक्षा, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान, सहयोगात्मक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन तथा व्यवहारिक प्रशिक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।

प्रशिक्षण सत्रों में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर ज्ञानेश्वर एवं दिनेश कुमार (स्पेशल एजुकेटर) द्वारा विषयगत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। श्रीमती रेनू सिंह ने समावेशी शिक्षा से जुड़े आवश्यक मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलेगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। समापन सत्र में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार एवं श्रीमती नीतू यादव वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा प्रयागराज उपस्थिति रही। अधिकारियों ने प्रशिक्षार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा तीन दिवसीय प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

जिला समन्वयक विकास पांडे ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से जनपद के सभी विकास खंडों में कुल 1415 सहायक अध्यापकों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रत्येक विकास खंड से 2-2 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। ये मास्टर ट्रेनर अपने-अपने विकास खंडों में सहायक अध्यापकों को समावेशी शिक्षा का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

जिला स्तर से निर्देशित किया गया है कि यह प्रशिक्षण सभी विकास खंडों में 25 दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। प्रत्येक विकास खंड के लिए सहायक अध्यापकों के प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यालयों में पढ़ रहे दिव्यांग बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता, सहभागिता एवं समग्र विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह पहल समावेशी शिक्षा को सशक्त बनाते हुए सभी बच्चों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। प्रशिक्षण में सोल्स आर्क कोऑर्डिनेटर मुकेश कुमार सैनी एवं फील्ड ऑफिसर प्रशांत जादौन एवं अखंड यादव भी उपस्थित रहे।

एक्सपोज़र विजिट के अन्तर्गत जसरा के बच्चों ने विभिन्न स्थलों का किया भ्रमण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एक्सपोज़र विजिट के अन्तर्गत विकास खंड जसरा के बेसिक स्कूलों के जूनियर हाईस्कूल के चयनित सौ बच्चों को जनपद के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। ब्लॉक संसाधन केंद्र जसरा से दो बसों में बच्चों को भ्रमण के लिए ले जाया गया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार के मार्गदर्शन व खंड शिक्षा अधिकारी जसरा अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में बच्चों को आनंद भवन, कंपनी बाग, म्यूजियम, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का भ्रमण कराया गया।विज्ञान प्रौद्योगिकी की समझ विकसित करने उसके विषय में बच्चों को जानकारी देने व अपने देश की ऐतिहासिक विरासत, उसका महत्व और उनके इतिहास से अवगत कराने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा यह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।बच्चों ने रूचि पूर्वक प्रयागराज के इन ऐतिहासिक स्थलों के विषय में जानकारी प्राप्त किया।बच्चों के साथ एआरपी श्रीनारायण मिश्र, अरविंद सैनी, पंकज साहू, महेंद्र निषाद, श्यामाकांत द्विवेदी, सुनील कुमार शुक्ल, संतशरण, होरी लाल दिवाकर, अरविंद, सुनील गौतम, रेखा गुप्ता, राम प्रकाश पाल, हर्षित आदि शिक्षक शामिल रहे।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वधयन समिति की बैठक का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में महाप्रबंधक रामेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यलक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्व यन समिति की बैठक आयोजित की गई।

महाप्रबंधक ने अपने अध्यसक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा में काम करने में कोई मुश्किल नहीं हैबस जरूरत हैं हमें अंग्रेजी की सोच से बाहर निकलने की तथा अपनी मातृभाषा को अपनाने की । उन्होंशने कहा कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ-साथ राष्ट्री य गौरव का भी विषय है । उन्हों ने कहा कि संगठन में राजभाषा नीति का शत-प्रतिशत अनुपालन के साथ हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास भी किए जा रहे हैं । उन्हों ने कहा कि हिन्दी को केवल कामकाज की भाषा न समझकर, इसे अपने हृदय की भाषा बनाएँ। अधिक से अधिक हिन्दी भाषा में पढ़ें, हिन्दी में लिखें और अपने दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा दें।

इससे पहले मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. एस.एस.नेगी ने अध्यक्ष (महाप्रबंधक) सहित सभी उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे संगठन में राजभाषा का प्रयोग-प्रसार निरंतर बढ़ रहा है फिर भी निर्धारित लक्ष्योंग की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु हमें लगातार प्रयत्नरशील रहना होगा । उन्होंतने कहा कि राजभाषा हिन्दी न केवल हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, हमारी गौरवशाली संस्कृति और अस्मिता की भी संवाहक है । प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का सहज, सरल और अधिकाधिक प्रयोग हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में मुख्यालिय के प्रमुख विभागाध्येक्ष डी.के.सिन्हार, मुख्यं सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर, उपेन्द्र कुमार, मुख्य। बिजली इंजीनियर(कार्य), वीरेन्द्रि वर्मा, मुख्यु सामग्री प्रबंधक सहित सभी विभागों के संपर्क अधिकारी (राजभाषा) एवं अन्यज सभी अधिकारी तथा राजभाषा का कार्य देख रहे कर्मचारी शामिल हुए । बैठक का संचालन एवं धन्यावाद ज्ञापन उप मुख्य? राजभाषा अधिकारी एवं सदस्यख- सचिव बृजेश चौधरी ने किया ।

राष्ट्रपूजा पर आधारित संगठन है आर एस एस-स्वांत रंजन

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचार एवं व्यवहार विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार एवं व्यवहार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जीवन चरित्र है। उन्होंने डॉ हेडगेवार की देशभक्ति, स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका, पत्रकारिता के माध्यम से जनजागरण तथा 1925 में संघ स्थापना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संघ को व्यक्तिपूजा से ऊपर उठकर राष्ट्रपूजा पर आधारित संगठन बताया तथा महिलाओं की सहभागिता हेतु राष्ट्र सेविका समिति के योगदान को रेखांकित किया।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कार्यशाला को अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि संघ के विचार वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के समाधान में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने वंदे मातरम को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए विश्वविद्यालय के अकादमिक प्रयासों की सराहना की।

प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता क्षेत्रीय धर्म जागरण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश अभय ने भारतीय शिक्षा पद्धति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा संघ की कार्यप्रणाली पर विचार रखते हुए कहा कि संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से दीर्घकालिक राष्ट्रनिर्माण की अवधारणा पर कार्य करता है। उन्होंने संघ की शाखा प्रणाली, शारीरिक-बौद्धिक-व्यवस्था वर्ग, खेल, गीत, कहानी एवं अनुशासन आधारित प्रशिक्षण को राष्ट्रभाव जागरण का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने बताया कि धर्म, संस्कृति और राष्ट्र एक-दूसरे से अभिन्न हैं।

अंतिम सत्र में मुख्य वक्ता निदेशक, राष्ट्रधर्म मनोज कांत ने संघ साहित्य एवं संदर्भ ग्रंथों का उल्लेख करते हुए भारतीय नवजागरण, एकात्म समाज और एकात्म राष्ट्र की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विषयों को वर्गीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखता है तथा सेवा कार्यों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर मानवीय मूल्यों को सशक्त करता है।

कार्यशाला के कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला का संचालन डॉक्टर सोहनी देवी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने दिया।कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर संतोषा कुमार, आयोजन सचिव प्रोफेसर आनंदानंद त्रिपाठी तथा सह-आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने कार्यशाला में मिले मार्गदर्शन एवं सुझावों को आगामी सत्र से प्रारंभ किया जा रहे कार्यक्रम के लिए लाभदायक बताया। कार्यशाला में समस्त विद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों द्वारा श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर दिए गए। कार्यशाला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार, व्यवहार एवं पाठ्यक्रम को ऐतिहासिक, वैचारिक एवं व्यवहारिक दृष्टि से समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई।कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक पृष्ठभूमि, संगठनात्मक संरचना, ऐतिहासिक विकास तथा समकालीन सामाजिक भूमिका को अकादमिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना था।

पूर्व महापौर अभिलाषा ने मां की रसोई में किया सेवा कार्य
मरीजों के परिवारजनों के साथ मनाया जन्मदिन
एक लाख एक हजार रूपए का चेक प्रदान किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शहर की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने शुक्रवार को स्वरूपरानी नेहरू मेडिकल कॉलेज में संचालित माँ की रसोई में विभिन्न क्षेत्रों से आए मरीजों के परिवारजनों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान पूर्व महापौर ने मरीजों के परिवारजनों एवं स्टाफ को सप्रेम भोजन कराकर सेवा कार्य किया।

यहीं नहीं उन्होंने माँ की रसोई में आने वाले लोगों को मात्र नौ रुपए में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए ?1, 01, 000 (एक लाख एक हज़ार रुपये) का चेक प्रदान किया।

पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि नन्दी सेवा संस्थान द्वारा संचालित माँ की रसोई में स्वाद नहीं, बल्कि ममता परोसा जाता है। यह सेवा उन अपनों के लिए है जो अस्पताल में अपनों के साथ हैं।

इस दौरान पूर्व महापौर ने मां की रसोई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से बातचीत की। उनका कुशलक्षेम जाना। सभी से भोजन के गुणवत्ता और सेवा कार्य के बारे में पूछा। जिस पर सभी ने भोजन की गुणवत्ता की तारीफ की। पूर्व महापौर ने कहा कि 'सेवा परमो धर्मः' यही नन्दी सेवा संस्थान का मूल उद्देश्य है और इसी उद्देश्य के साथ नन्दी सेवा संस्थान सेवा कार्य में तत्पर है।

इफको प्रबंध निदेशक ने किया फूलपुर संयंत्र का तकनीकी निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको के प्रबंध निदेशक के.जे. पटेल ने राम मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के उपरांत इफको फूलपुर संयंत्र का विस्तृत तकनीकी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने यूरिया-छ कूलिंग टावर के एक्सटेंशन, अमोनिया स्टोरेज टैंक तथा नैनो संयंत्र में 33 केवी यार्ड परियोजना का उद्घाटन किया।

संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रबंध निदेशक ने नैनो संयंत्र, यूरिया-1, यूरिया-2, अमोनिया-1, अमोनिया-2 के नियंत्रण कक्ष, बैगिंग प्लांट, शक्ति संयंत्र, डीएम प्लांट एवं परिवहन अनुभाग का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके पश्चात पटेल ने इफको फूलपुर प्रबंधन के साथ बोर्ड रूम में बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने संयंत्र की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने, सभी वैधानिक एवं वैधकीय आवश्यकताओं के पूर्ण अनुपालन, तथा सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इफको का दायित्व केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र एवं किसानों की सेवा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु जो भी संभव हो, उसके लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम तकनीकी विकास को किसानों तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए तकनीकी खेती, आधुनिक कृषि पद्धतियों एवं नवीन कृषि नवाचारों पर किसानों के प्रशिक्षण पर विशेष फोकस किया जाना चाहिए, ताकि किसान अधिक उत्पादक, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बन सकें।

प्रबंध निदेशक ने इफको इम्पलाइज संघ एवं इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के कार्यालयों का भी भ्रमण किया, जहाँ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने इफको फूलपुर के युवा इंजीनियरों एवं पेशेवरों से संवाद किया।

कोर्डेट भ्रमण के दौरान प्रबंध निदेशक के साथ यूपीपीसीएफ के चेयरमैन एवं इफको के निदेशक वाल्मीकि त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे किसानों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के. सिंह, महाप्रबंधकगण संजय भंडारी, डॉ. अनीता मिश्र, पी.के. पटेल, रत्नेश कुमार; संयुक्त महाप्रबंधकगण अरुण कुमार, एस.के. सिंह, ए.के. गुप्ता, पी.के. वर्मा, अरवेन्द्र कुमार, डॉ. सत्य प्रकाश, आर.पी. यादव, पी.के. त्रिपाठी, संदीप गोयल; विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन) शम्भू शेखर; इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी एवं महामंत्री स्वयम् प्रकाश तथा इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय एवं महामंत्री विजय कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कॉलेज की जमीन पर कब्जे का प्रयास, पांच नामजद पर मुकदमा

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के बेरूई गांव स्थित राज नारायण पांडे पीजी कॉलेज की जमीन पर कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। कॉलेज प्रबंधक डॉ. देवेंद्र कुमार पांडे की तहरीर पर थरवई पुलिस ने गुरुवार देर रात गांव के पांच दबंगों आरोपियोंके खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।प्रबंधक के अनुसार कॉलेज की जमीन की पैमाइश पूर्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा कराई गई थी, जिसके बाद सीमांकन के लिए पत्थर लगवाए गए थे। आरोप है कि गांव के दबंगों आरोपियों ने उन पत्थरों को उखाड़ दिया और कॉलेज की बाउंड्री वॉल को तोड़कर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया कॉलेज के प्रबंधक डॉक्टर देवेंद्र पांडे ने इसका विरोध किया तो आरोपित लोग कॉलेज परिसर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना 15 नवंबर 2025 की है। पीड़ित की लिखित तहरीर पर थरवई पुलिस ने इंद्रपाल, नरेंद्र कुमार, ज्ञान चंद्र, धर्मेंद्र कुमार और जय सिंह के खिलाफ जबरन जमीन पर कब्जा करने का प्रयास, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गायत्री ज्ञान मंदिर के ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत लखनऊ की महापौर के पुस्तकालय में 455वाँ युगऋषि वाङ्मय की स्थापना सम्पन्न

ज्ञानदान पूर्वजों की स्मृति में सच्ची श्रद्धांजलि है-उमानन्द शर्मा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''महापौर मा0 श्रीमती सुषमा खर्कवाल जी'' के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 455वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। श्रीमती उषा सिंह ने अपने पूज्य माता-पिता स्व0 श्रीमती कलावती देवी एवं स्व0 रविन्द्र प्रताप सिंह की स्मृति में मा0 महापौर के पुस्तकालय में युग ऋषि वाङ्मय साहित्य भेंट किया तथा मा0 महापौर के स्टाफ एवं मा0 महापौर से मिलने आने वाले उपस्थित आगन्तुकों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी एवं अंग्रेजी) पत्रिका तथा नववर्ष का पंचांग भी भेंट किया। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि 'ज्ञानदान पूर्वजों की स्मृति में सच्ची श्रद्धांजलि है।' इस अवसर पर महापौर ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि गायत्री परिवार ज्ञानदान के माध्यम से लोक कल्याण का कार्य कर रहा है।

इस वाङ्मय साहित्य स्थापना के अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि उमानंद शर्मा, श्रीमती उषा सिंह, वी0के0 श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह, श्रीमती सावित्री शर्मा एवं महापौर से मिलने आने वाले आगन्तुक भी मौजूद रहे।

भारत के दिल में फ्लिपकार्ट फेस्टिव सप्लाई चेन की दस्तक

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत के घरेलू ई-मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज 2025 के त्योहारी सीजन से संबंधित प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इसमें विस्तार, गति और सामाजिक प्रभाव से जुड़े आंकड़े सामने रखे गए। फ्लिपकार्ट ने अपने मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के दम पर बिग बिलियन डेज सेल इवेंट आयोजित किया, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में और तेजी से डिलीवरी की गई। इससे क्षेत्रीय स्तर पर इसकी पहुंच भी बढ़ी। इस दौरान 4 लाख से ज्यादा सीजनल रोजगार का सृजन हुआ, ऑर्डर के दिन (सेम डे) / अगले दिन (नेक्स्ट डे) डिलीवरी में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई और टियर 2 व 3 शहरों से जबर्दस्त मांग देखी गई। इस तेजी के साथ फ्लिपकार्ट के सप्लाई चेन ने भारत की त्योहारी तेजी में टेक्नोलॉजी एवं लोगों को केंद्र में रखा।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सप्लाई चेन, कस्टमर एक्सपीरियंस एवं री-कॉमर्स हेड हेमंत बद्री ने कहा, 'त्योहारी सीजन में हमारे लचीलेपन, विस्तार एवं सटीक परिचालन की असली परीक्षा होती है। इस दौरान हमारे सप्लाई चेन ने दिखा दिया कि जब लोगों, प्रक्रियाओं और टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर साथ लाया जाए, तो क्या परिणाम मिलता है। कुछ ही मिनट में बड़े अप्लायंस की डिलीवरी से लेकर देश के दूरदराज के क्षेत्रों में डिलीवरी को सक्षम बनाने तक, हमारा नेटवर्क इन जरूरतों को पूरा करने के लिए बना है।

भक्तों का चरित्र का ग्रंथ है भक्तमाल का महाग्रंथ : डाक्टर अनिरुद्ध जी महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दिव्य अध्यात्म राष्ट्र सेवा मिशन प्रयागराज एवं दिव्य राधा सखी मंडल के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉ अनिरुद्ध जी महाराज ने भक्तों को चतुर्थ दिवस की भक्त माल कथा का रस प्रवाह करते हुए कहा कि भक्तों की भक्ति की शक्ति से भगवान अवतार लेते हैं और भक्ति से भगवान मिल सकते हैं इसका प्रमाण है भक्तमाल ग्रंथ जो भक्तो की भक्ति की कथा है और कहा कि भक्तमाल ग्रंथ भक्ति की चेतना को जागृत करती है और यह भक्तों के चरित्र का ग्रंथ है आज कि कथा में भगवान के भक्त भक्तराज त्रिलोचन, और वल्लभाचार्य जी की भक्ति के चरित्र पर दर्शन डाला गया कथा के मुख्य अजमान शिव बाबू त्रिपाठी रहे।

कथा में आए सभी अतिथियों को मिशन के संरक्षक कुमार नारायण ने राधा रानी की तस्वीर देकर स्वागत किया। इस अवसर महापौर गणेश केसरवानी, अवधेश चंद्र गुप्ता, कवियत्री वंदना शुक्ला, पार्षद सुनील केसरवानी, दुर्गेश नंदिनी, विजय वैश्य, रामजी केसरवानी, ने आरती की कथा का संचालन राजेश केसरवानी ने किया। कथा में पार्षद नीरज गुप्ता, प्यारेलाल जायसवाल, शिवबाबू त्रिपाठी, अजय जायसवाल, सुशील जैन सिपाही लाल, अभिलाष केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल किशन चंद्र जायसवाल आदि सैकड़ो भक्तगण उपस्थित रहे।

भिवंडी मनपा चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

चुनाव लड़ने के प्रत्याशियों द्वारा पैनल बनाने के लिए जोड़तोड़ हुआ शुरू

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

चुनाव आयोग द्वारा मुंबई सहित 29 महानगर पालिकाओ में चुनाव की घोषणा किए जाने के बाद भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है।90 सदस्यों वाली भिवंडी मनपा चुनाव के मद्देनजर इच्छुक उम्मीदवार पार्टियों के कार्यालयों में टिकट पाने की जुगाड लगाना शुरू कर दिया है।इसके साथ 4 सदस्यों का पैनल बनाने के लिए जोड़तोड़ शुरू कर दिया है।इसके साथ ही दलबदल भी तेज हो गया है।

भिवंडी मनपा में 90 नगरसेवकों के लिए चुनाव होने वाला है।इसके लिए कुल 23 प्रभागों में से 21 प्रभागों में 4 और शेष 2 प्रभागों में 3 उम्मीदवार का पैनल चनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमाएगा भिवंडी मनपा का कार्यकाल वर्ष 2022 में खत्म होने के उपरांत मनपा में सरकार द्वारा प्रशासक राज कायम कर कामकाज चलाय जा रहा था भिवंडीकर करीब 3 वर्षों से मनपा चनाव की प्रतीक्षा कर रहे थे विधानसभा चृनाव समापन के बाद भिवंडी मनपा चुनाव की तैयारियों में राजनीतिक दल जुटे थे।पिछली बार 2017 में सम्पन्न हए भिवंडी मनपा चनाव में कांग्रेस पार्टी को सर्वाधिक 47 सीटें मिली थीं और मनपा में भाजपा 20 सीटे पाकर दूसरे नंबर

पर और शिवसेना 13 एवं कोणार्क विकास आघाडी गठबंधन आरपीआई एकतावादी को 10 सीट पर जीत हासिल हई थीं।

कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भी 18 नगरसेवकों द्वारा पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर की गई क्रास वोटिंग से कोणार्क विकास आघाडी का प्रत्याशी महापौर निर्वाचित हआ था। सूत्रों की माने तो आगामी मनपा चनाव में भिवंडी विकास मंच के संस्थापक कांग्रेस के पूर्व महापौर जावेद दलवी कांग्रेस को छोड़कर भिवंडी विकास मंच को वर्षों बाद पुनर्जीवित कर कुछ सहयोगियों के साथ मनपा चनाव लड़ेंगे ऐसी चर्चा शहर में फैली है।2017 में 47 नगरसेवकों वाली कांग्रेस में 18 नगरसेवकों के दलबदल से भिवंडी में कमजोर हई कांग्रेस का ग्राफ लगातार नीचे गिरा है भाजपा विधायक महेश चौघुले व सपा विधायक रईंस शेख भी मनपा सत्ता के लिए दमदार तरीके से प्लानिंग कर रहे हैं।लोगों की मानें तो सपा भी भिवंडी में अंतर्कलह से जझकर कमोवेश कमजोर हुई है।सपा में संगठन नाम की कोई चीज नहीं होने से सपा के पुराने कार्यकर्ताओं में कोई जोश दिखाई नहीं पडता है। प्रदेश सपा मुखिया विधायक अबू आसिम आजमी और विधायक रईस शेख की जोडी ही अपने राजनीतिक कौशल के दम पर ही मनपा चुनाव में करामात कर सकती है।

।भी राजनीतिक दलों ने झोंकी ताकत.....

महाविकास आघाडी राष्ट्रवादी शरद पवार गुट में शामिल 18 बागी पूर्व नगरसेवक के साथ महाविकास आघाडी सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा के कार्यकाल में होने वाले प्रथम मनपा चुनाव में अपनी ताकत का दमदार प्रदर्शन किए जाने की प्लानिंग सहयोगी दलों के साथ करने में माथापची कर रहे हैं भिवंडी मनपा में अबकी बार एमआईएम भी मजबूती से दस्तक देने की तैयारी में है।राष्ट्रवादी अजित पवार गृट भी मनपा चृनाव मंदमदार प्रदशन को लेकर उत्साहित होकर चृनाव व्यूह रचना में जुटी है।वही डीसीएम एकनाथ शिंदे के दम पर शिवसेना अपनी ताकत आजमाने में जुटी है।वही भिवंडी में शिवसेना उद्धव गुट को अपनी जमीन तलाशने की चुनौती है।

भिवंडी मनपा में सीट आरक्षण का आंकड़ा.....

कुल 90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में अनुसूचित जाति एससी के लिए आरक्षित 3 जगह में 2 महिला की खातिर आरक्षित है।एसटी के लिए 1 सीट. ओबीसी के लिए 24 में से 12 महिला और सर्वसाधारण 62 में से 31 सीट महिलाओं को चुनाव आयांग द्वारा आरक्षित की गई है।

भिवंडी में बिजली चोरी का बड़ा मामला उजागर

2.22 लाख रुपये की हेराफेरी का आरोप

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शांतिनगर पुलिस स्टेशन में बिजली चोरी के एक गंभीर मामले में आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी पर अवैध तरीके से बिजली का उपयोग कर विद्युत वितरण कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। पुलिस ने विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवदास अब्दुतराव अंबेगावकर (30), जो बिजली वितरण कंपनी में कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं, ने इस संबंध में शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी विज ग्राहक हाक खान अब्दुल कयूम बर्खुद्दीन उर्फ अब्बास खान, निवासी आजमी नगर, सहाना होटल के पास, दरगाह रोड, भिवंडी, द्वारा बिजली चोरी की जा रही थी।शिकायत के अनुसार, 8 अगस्त 2024 से 7 अगस्त 2025 के दौरान आरोपी ने अपने आर्थिक लाभ के लिए बिजली वितरण कंपनी के अधिकृत मीटर से छेड़छाड़ कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मीटर से सीधे तार जोड़कर बिजली चोरी की और अनधिकृत रूप से अतिरिक्त विद्युत भार का उपयोग किया, जिससे कंपनी को कुल 2,29,001.14 रुपये का नुकसान हुआ।यह मामला

आजमी नगर, सहाना होटल के पास, दरगाह रोड, भिवंडी क्षेत्र में उजागर हुआ। इस संबंध में 18 दिसंबर 2025 को शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद उसी दिन पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर लिया।शांतिनगर पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और जांच जारी है।

विवाहिता से घरेलू उत्पीड़न का मामला दर्ज, पति व सास पर गंभीर आरोप

भिवंडी।शहर में एक विवाहिता ने अपने पति और सास के खिलाफ घरेलू हिंसा, मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाते हुए भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता 25 वर्षीय महिला है, जो भिवंडी के शास्त्री नगर क्षेत्र में रहती है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके पति यासीन मोहम्मद इलियास शेख (28) और सास नसीमाबानो मोहम्मद इलियास शेख (उम्र 65 वर्ष), दोनों अहमदाबाद, गुजरात निवासी हैं। दोनों ने आपसी मिलीभगत से उसे प्रताड़ित किया।शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने पीड़िता को घर में सामान्य रूप से रहने और काम करने नहीं दिया। उसे समय पर भोजन नहीं दिया गया और लगातार मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इसके अलावा पति द्वारा घरेलू खर्च और आवश्यक जरूरतों के लिए, यहां तक कि मोटरसाइकिल खरीदने के लिए भी पैसे न देने का आरोप लगाया गया है, जिससे पीड़िता को गंभीर मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा।पु।लिस के अनुसार, यह कथित घटनाक्रम 23 जून 2024 की सुबह से 6 नवंबर 2025 की रात के दौरान आनंद होटल के पास, पांचू कंपाउंड, शास्त्री नगर, भिवंडी क्षेत्र में घटित हुआ। पीड़िता ने 18 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद उसी दिन मामला पंजीकृत किया गया। भिवंडी शहर पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शांतिनगर में विवाह का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

भिवंडी। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एक 26 वर्षीय युवती की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ विवाह का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से इनकार करने का गंभीर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता 26 वर्षीय युवती पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी सादिक असलम शेख उर्फ अब्दू (उम्र 25 वर्ष), निवासी टेमघर, ने उसे विवाह का आश्वासन देकर विश्वास में लिया,शिकायत के अनुसार, आरोपी ने शादी का वादा कर पीड़िता को अपने घर बुलाया और अलग-अलग अवसरों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब पीड़िता ने विवाह की बात की तो आरोपी ने शादी से साफ इनकार कर दिया। धोखा और मानसिक प्रताड़ना से आहत होकर पीड़िता ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस के अनुसार, यह कथित घटना 27 जुलाई से 12 नवंबर के दौरान, टेमघर, क्षेत्र में घटित हुई। पीड़िता ने 18 दिसंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद उसी दिन मामला पंजीकृत किया गया।मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक डी.एम. गोरे कर रहे हैं

'मी भिवंडीकर' कैलेंडर का विमोचन समारोह संपन्न

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

खब़र-दर-खब़र मीडिया ग्रुप द्वारा आगामी कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए प्रकाशित कैलेंडर 'मी भिवंडीकर' का विमोचन समारोह बाग-ए-फ़िरदौस परिसर के पास स्थित सनोबर हॉल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन भिवंडी परिमंडल-2 के पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के कर-कमलों से किया गया। इस अवसर पर भिवंडी पश्चिम के सहायक पुलिस आयुक्त विजय मराठे, भिवंडी के सब रजिस्ट्रार इंद्रवदन सोनवणे,डेवलपर दुर्राज कामनकर, प्रसिद्ध कपड़ा व्यापारी हाजी यार मोहम्मद खान, सेंट्रल पब्लिक स्कूल के संस्थापक अयाज़ खान और प्रवीण कुमार उर्फ़ राजू श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भिवंडी के पूर्व विधायक रशीद ताहिर मोमिन ने की, हालांकि आचार संहिता लागू होने के कारण उन्होंने मंच पर आने के बजाय दर्शक दीर्घा में बैठना उचित समझा।रशीद ताहिर मोमिन ने अपने उद्बोधन में खब़र-दर-खब़र मीडिया ग्रुप

के प्रधान संपादक मुनीर अहमद मोमिन की बेबाक और निडर पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज और सरकार को आईना दिखाने वाले पत्रकार हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी निष्पक्षता और साहस के साथ पत्रकारिता करते रहने की शुभकामनाएं दीं।मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने कैलेंडर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कैलेंडर के बिना इतिहास और समय नियोजन की कल्पना अधूरी है। उन्होंने कहा कि सूर्य और चंद्रमा की गति के आधार पर बने कैलेंडर ने मानव समाज को योजनाबद्ध जीवन जीने की दिशा दी है। कैलेंडर के माध्यम से वर्ष, माह, सप्ताह, दिन और समय का सही नियोजन संभव होता है। आकर्षक और भिवंडी की पहचान को दर्शाने वाले इस कैलेंडर के प्रकाशन पर उन्होंने खब़र-दर-खब़र मीडिया ग्रुप को शुभकामनाएं दीं।

भिवंडी पश्चिम के सहायक पुलिस आयुक्त विजय मराठे ने अखब़ार की टैगलाइन 'पत्रकारों दलाली छोड़ो, दलालों पत्रकारिता छोड़ो' की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर अच्छी हिंदी में समाचार देने वाला अखब़ार समाज के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने अखब़ार के लोकप्रिय कॉलम 'फटे में टांग' की प्रशंसा करते हुए प्रधान संपादक मुनीर अहमद मोमिन की पारदर्शिता और स्पष्टवादिता की तारीफ की।

समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों और शहर के वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों का शाल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत और सम्मान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार संजय भोईर, महेंद्र सरोज गुड्डू, फहीम अंसारी, मोनिश गायकवाड़, अनिल गजरे और नरेश पाटिल को सम्मानित किया गया। वहीं उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से पधारे युवा पत्रकार उमेश गुप्ता को भी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के हाथों सम्मानित किया गया।

भिवंडी-निजामपुर मनपा चुनाव 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा बैठक

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की आगामी सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 के मद्देनज़र शुक्रवार ,18 दिसंबर 2025 को महानगरपालिका आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी चुनाव निर्णय अधिकारी, सहायक चुनाव अधिकारी, पुलिस विभाग और मनपा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान चुनाव से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। मतदान केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं, चुनाव कार्यालयों के लिए आवश्यक कर्मचारियों की नियुक्ति तथा चुनावी सामग्री की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। आयुक्त ने मतदाता केंद्र सूची और मतदान केंद्रवार मतदाता सूची तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही बुर्काधारी महिला मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए महिला कर्मचारियों की नियुक्ति करने के आदेश भी दिए गए।पुलिस विभाग की ओर से चुनाव के दौरान की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी दी गई। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने सभी पुलिस निरीक्षकों को निर्देश दिया कि शनिवार तक सभी राजनीतिक दलों के बैनर और होर्डिंग मनपा के प्रभाग अधिकारियों के माध्यम से हटवाए जाएं। इसके बाद भी यदि कहीं बैनर या होर्डिंग पाए जाते हैं तो संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आचार संहिता अवधि में उल्लंघन होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा एस.एस.टी. (स्टैटिक सर्विलांस टीम) तत्काल शुरू करने और वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए गए।उपविभागीय अधिकारी अमित सानप ने कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मतदान मशीनों की जांच को लेकर जानकारी दी। आयुक्त ने चुनाव निर्णय अधिकारियों के लिए वाहन उपलब्ध कराने और उनके ठहरने की व्यवस्था की भी समीक्षा की।

इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे, उपजिल्हाधिकारी (रोहयो) ठाणे,. शशिकांत गायकवाड, उपजिल्हाधिकारी (रोहयो) रत्नागिरी, श्रीम. हर्षलता गेडाम, उपविभागीय अधिकारी, भिवंडी अमित सानप, उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन), जिल्हाधिकारी, मुंबई शहर महेश हरिश्चंद्रे, पोलीस उपायुक्त शशिकांत बोराटे नायब तहसिलदार (महसूल), तहसिल कार्यालय, शहापूर दत्तात्रय बांबळे, तहसिलदार, विक्रमगड, जिल्हा पालघर मयुर चव्हाण, नायब तहसिलदार (महसुल), ,तहसिल कार्यालय, भिवंडी आदेश म्हात्रे नायब तहसिलदार, उपविभागीय अधिकारी, भिवंडी चंद्रकांत राजपूत उप-आयुक्त (निवडणुक) विक्रम दराडे, मा. उप-आयुक्त (कर) बाकृष्ण क्षिरसागर, सहित महानगरपालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विधानसभा शीतकालीन सत्र; सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन स्थगित

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। सत्र में दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। अब सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होगी। यह सत्र आज से 24 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें कुल चार कार्य दिवस होंगे क्योंकि शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा। सत्र काफी हंगामेदार होने वाला है। विपक्ष ने भी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। सीएम योगी ने कहा है कि सरकार विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है।

सत्र के दौरान 22 दिसंबर को वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इसी दिन 'वंदे मातरम्' विषय पर पांच घंटे की विशेष चर्चा भी प्रस्तावित है। कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया था, 22 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा और 'वंदे मातरम्' पर विशेष चर्चा होगी। 23 और 24 दिसंबर को विधायी कार्य एवं अन्य चर्चाएं संपन्न कराई जाएंगी।

सत्र की शुरुआत पारंपरिक रूप से महत्वपूर्ण विधायी कार्यों और बजट संबंधी प्रस्तावों के साथ होने की उम्मीद है। विपक्ष ने सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष कोडीन सिरप और एंईके मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति बना चुका है। हालांकि आज पहले दिन शोक प्रस्ताव के साथ ही विधानसभा की कार्यवाही स्थगित हो जाएगी। सत्र के पहले दिन घोसी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

जम गया कश्मीर! कड़ाके की ठंड के बीच पुलवामा में शून्य से चार डिग्री नीचे पहुंचा तापमान

जम्मू **(एजेंसी)**। कश्मीर में थोड़े समय की राहत के बाद कड़ाके की ठंड पड़ रही है। घाटी के अधिकांश स्थानों पर रात का तापमान गिरकर जमाव बिंदु से नीचे लुढ़क गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों बताया कि बृहस्पतिवार रात दक्षिण कश्मीर का पुलवामा शहर सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के 0.2 डिग्री सेल्सियस से दो डिग्री कम है। श्रीनगर और घाटी के अधिकतर हिस्सों, विशेषकर जलाशयों के पास तड़के घना कोहरा छाया रहा।

अधिकारियों बताया कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में जो अमरनाथ यात्रा का एक आधार शिविर है, न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं कोकेरनाग में 0.5 डिग्री और काजीगुंड में शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान रहा। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में पारा शून्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से ऊपर एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि कश्मीर घाटी अब 21 दिसंबर से शुरू होने वाले 'चिल्लई-कलां' के लिए तैयार है, इस दौरान बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक होती है और तापमान में भारी गिरावट आती है। चिल्लई-कलां 30 जनवरी को समाप्त होता है।

अधिकारियों ने बताया कि इस सर्दी में अब तक घाटी में कोई बड़ा हिमपात या वर्षा नहीं हुई है। लंबे समय से जारी शुष्क मौसम के कारण सर्दी-खांसी जैसी बीमारियों में इजाफा हुआ है, लेकिन मौसम विभाग ने 20-21 दिसंबर को 'चिल्लई-कलां' की शुरुआत के साथ ही मौसम के करवट लेने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है, जिससे जारी शुष्क दौर समाप्त हो सकता है।

'पुलिस सलामी में व्यस्त, अपराधी मस्त' बहराइच कथावाचक मामले में अखिलेश का तंज

चंद्रशेखर भी भड़के; नियमों की धज्जियां उड़ने पर डीजीपी ने ये किया

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बहराइच पुलिस लाइन में भागवत कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी को पुलिस की ओर से 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) राम नयन सिंह से स्पष्टीकरण मांगा है। बहराइच पुलिस लाइन में नवंबर में पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण के दौरान भागवत कथा का आयोजन किया गया था, जिसमें वृंदावन के कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान एक अवसर पर पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में कथावाचक को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

कार्यक्रम के एक माह से अधिक समय बाद बृहस्पतिवार को 'गार्ड ऑफ ऑनर' से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा में आया। वीडियो को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सवाल उठाए, जिसके बाद पक्ष और विपक्ष में प्रतिक्रियाएं आने लगीं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''जब पूरा पुलिस महकमा सलामी में व्यस्त रहेगा, तो प्रदेश का अपराधी मस्त रहेगा। उत्तर प्रदेश में पुलिस अपने काम में नाकाम है। जो उसका असली काम है, वह नहीं कर रही, बल्कि अपनी सीमित क्षमताओं को दूसरी जगह व्यर्थ कर रही है।'' यादव ने कहा, ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) राज में उत्तर प्रदेश में पनप रहे बेतहाशा अपराध और माफिया राज पर लगाम लगाने के बजाय सलाम-सलाम का खेल खेला जा रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''इस घटना का संज्ञान लेने वाला कोई है या वह भी परेड में शामिल है? भाजपा जाए, तभी पुलिस सही काम में लग पाए।'' चंद्रशेखर आजाद ने इसे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा मुद्दा बताते हुए 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिए जाने पर आपत्ति जताई।

सपा प्रमुख की प्रतिक्रिया के कुछ घंटों बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''जनपद बहराइच में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस परेड ग्राउंड के अनधिकृत उपयोग का पुलिस महानिदेशक (राजीव कृष्ण) द्वारा संज्ञान लिया गया है।'' पोस्ट में कहा गया, ''पुलिस परेड ग्राउंड का उपयोग केवल पुलिस प्रशिक्षण, अनुशासन और आधिकारिक समारोहों के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाना अनिवार्य है। निर्धारित मानकों के उल्लंघन के दृष्टिगत संबंधित पुलिस अधीक्षक से स्पष्टीकरण तलब किया गया है।''

वायरल वीडियो में कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी को बहराइच पुलिस लाइन में लाल कालीन पर चलते हुए, पुलिस परेड के दौरान सलामी लेते हुए और मंच से संबोधित करते हुए देखा जा सकता है।

विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद को चुनौती देना जरूरी : वरुण चक्रवर्ती

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि टी20 विश्व कप की तैयारी में उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 विकेट लिए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के खिताब की रक्षा के लिए चक्रवर्ती काफी अहम खिलाड़ी है। उन्होंने 'जियोस्टार' के 'फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा, '' विश्व कप की तैयारी के लिए खुद पर लगातार दबाव बनाए रखना बहुत जरूरी है।' कर्नाटक में जन्मे इस गेंदबाज ने कहा, ''जब कोई चुनौती न हो तब भी आपको खुद को चुनौती देनी होगी। अगर कोई मैच आसान लगे तो आपको मानसिक रूप से दबाव बनाना होगा और खुद को चुनौती देना शुरू करना होगा।'

उन्होंने कहा, 'उनके लिए आत्मविश्वास, सही लेंथ पर गेंदबाजी करना और विपक्षी टीम को समझना बहुत जरूरी है। यह एक अहम बात है जिसे मैं विश्व कप में ध्यान में रखना चाहता हूं। विपक्षी टीम को बेहतर ढंग से समझने से मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं।'' चक्रवर्ती ने कहा कि बुनियादी बातों पर टिके रहना और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी हालिया सफलता की कुंजी रही है। उन्होंने कहा, 'मेरी योजना काफी सरल है, बुनियादी बातों पर ध्यान देना और अपनी लेंथ पर गेंदबाजी करना। कभी-कभी यह कारगर साबित होता है और शुक्र है कि पिछले तीन मैचों में यह कारगर रहा है। मैं अगले मैच में भी यही रणनीति अपनाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'जब आप आत्मविश्वास से भरे नहीं होते, तो आपकी मानसिकता आपके कौशल को प्रभावित करती है। ऐसे में आत्मविश्वास बनाये रखने के साथ अपने कौशल पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण बात है। ऐसा होने पर ही आप ज्यादा बदलाव किए बिना अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं। यही निरंतरता का राज है।' उन्होंने कहा, 'इस स्तर पर आपको निरंतरता बनाए रखनी होगी, उच्चतम स्तर पर खेलना यह जानने के लिए महत्वपूर्ण है कि आप कहां खड़े हैं।'

ट्रैविस हेड ने ब्रैडमैन और स्मिथ के बाद बनाया खास रिकॉर्ड, इंग्लैंड को एडिलेड में खूब 'पीटा'

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलियाई स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में इंग्लैंड को खूब 'पीटा' (शतक) और डॉन ब्रैडमैन तथा स्टीव स्मिथ के साथ खास रिकॉर्ड बना दिया है। हेड शानदार शतक लगाने के बाद अपने देश के एक क्रिकेट मैदान पर लगातार 4 शतक लगाने वाले क्रिकेट दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

ट्रैविस ने मौजूदा एशेज सीरीज के दौरान अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स की शतकीय साझेदारी के बाद संघर्ष कर रही इंग्लैंड टीम के लिए उम्मीद और वादे से भरी सुबह की शुरुआत हुई जिसमें जेक वेदरल्ड को आउट करके शुरुआती विकेट लिया गया, लेकिन यह एक और बुरे सपने वाले दिन में बदल गया क्योंकि ट्रैविस ने इंग्लिश लाइन-अप की धुनाई की और दिन का अंत 196 गेंदों में शानदार 142ङ रन बनाकर किया जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे, स्ट्राइक रेट 72 से अधिक था। हेड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने जनवरी 2012 और दिसंबर 2014 के बीच एडिलेड में लगातार चार टेस्ट शतक बनाए हैं। उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के

खिलाफ (175), 2024 में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ (119) और पिछले साल भारत के खिलाफ (140) एडिलेड में शतक बनाए हैं। अब उन्होंने एक और शानदार शतक लगाया है जो उनके घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन को जारी रखता है।

हेड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (1928 से 1932 तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में), माइकल क्लार्क (2012 से 2014 तक एडिलेड में), स्टीव स्मिथ और इंग्लिश दिग्गज वैली हैमंड (1928 से 1936 तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में) की एलीट कंपनी में शामिल हो गए हैं, जो किसी खास ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर लगातार चार टेस्ट शतक बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। एडिलेड ओवल में हेड ने आठ मैचों और 11 पारियों में 87.33 की औसत से 786 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 175 है।

इस साल 10 टेस्ट और 19 पारियों में उन्होंने 43.00 की औसत और 79.71 के स्ट्राइक रेट से 731 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, तीन अर्धशतक और 142ङ का बेस्ट स्कोर शामिल है। चल रही एशेज सीरीज में हेड तीन मैचों और छह पारियों में 70.20 की औसत और 86.24 के स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाकर सबसे आगे हैं, जिसमें दो शतक और 142ङ का बेस्ट स्कोर शामिल है।

अंडर-19 एशिया कप : विहान-आरोन के अर्धशतक भारत ने श्रीलंका को हराकर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। श्रीलंका के खिलाफ दुबई में अंडर-19 एशिया कप का सेमीफाइनल मैच में भारत ने वर्षा प्रभावित मैच में विहान मल्होत्रा और आरोन जॉर्ज के अर्धशतकों की बदलौत 2 विकेट के नुकसान पर 18 ओवर में 139 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई है। विहान ने 45 गेंदों पर 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 रन बनाए जबकि जॉर्ज ने 49 गेंदों पर 58 रन बनाए जिसमें 4 चौके और एक छक्का शामिल था। वैभव सूर्यवंशी सेमीफाइनल में फ्लॉप रहे और 6 गेंदों पर मात्र 9 रन ही बना पाए। कप्तान आयुष म्हात्रे ने मात्र 7 रन बनाए जिसमें एक छक्का शामिल था। इससे पहले बारिश और गीले आउटफील्ड के कारण मैच की शुरुआत तय समय पर नहीं हो सकी। आईसीसी अकादमी ग्राउंड पर हालात ऐसे बन गए कि अंपायरों को टॉस तक टालना पड़ा और बाद में मैच को 20 ओवर प्रति टीम कर दिया गया।भारत ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को 20 ओवर में 138/8 के स्कोर पर रोक दिया है। भारत के सामने अब 139 रन का लक्ष्य है। भारत की तरफ से हेनिल पटेल और कनिष्क चौहान ने 2-2 विकेट झटके। श्रीलंका की तरफ से चमिका हीनातिगला ने 42 रन की सबसे बड़ी पारी खेली।

इसी बीच टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश आमने-सामने हैं। अगर भारत और पाकिस्तान दोनों अपने-अपने मुकाबले जीतने में सफल रहते हैं तो फाइनल में एक बार फिर हाई-वोल्टेज भारत-पाकिस्तान मुकाबला देखने को मिल सकता है।

भारत : आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेन्द्रन, किशन कुमार सिंह

श्रीलंका : विमथ दिनसारा (कप्तान), वीरन चामुदिथा, किथमा विथानापतिराना, कविजा गमागे, सनुजा निन्दुवारा, चमिका हेनातिगाला, डुलनिथ सिगेरा, एडम हिल्मी (विकेटकीपर), सेठमिका सेनेविरत्ने, रसिथ निमसारा, विग्नेश्वरन आकाश।

2000 के नोटों को बदलने का फिर मिला मौका, आरबीआई ने बताया समाधान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आपके पास अब भी ?2, 000 के नोट सुरक्षित रखे हैं तो सतर्क हो जाइए। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि दो हजार के नोट अभी भी वैध हैं और इन्हें बदलने का अवसर मौजूद है। हालांकि, बैंकिंग प्रणाली से इन नोटों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू हुए दो साल से अधिक समय हो चुका है, इसके बावजूद हजारों करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लौटाए नहीं गए हैं। ऐसे में आरबीआई ने देश की 19 शाखाओं के माध्यम से इन्हें जमा या बदलने की सुविधा जारी रखी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देशभर की 19 शाखाओं में यह नोट बदलने की सुविधा चालू रखी है, जिसमें उत्तर प्रदेश के दो कार्यालय भी शामिल हैं। आरबीआई ने मई 2023 में ?2, 000 के नोटों को धीरे-धीरे वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद लगभग छह हजार करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी बैंकिंग प्रणाली में वापस नहीं आए हैं। 19 मई, 2023 को जारी घोषणा में आरबीआई ने स्पष्ट किया था कि ?2, 000 के नोट धीरे-धीरे चलन से बाहर किए जा रहे हैं, लेकिन ये नोट अभी भी वैध मुद्रा (लीगल टेंडर) के रूप में स्वीकार्य हैं। 31 अक्टूबर, 2025 तक इस नोट का लगभग 98.37 प्रतिशत बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुका है।

विजय हजारे ट्रॉफी : मुंबई की संभावित टीम से रोहित-जायसवाल बाहर!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले मुंबई क्रिकेट टीम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के साथ-साथ टी20 आई कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को कथित तौर पर मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, चयन समिति ने इस पर स्थिति साफ करते हुए संकेत दिए हैं कि इन खिलाड़ियों के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।

मुंबई की टीम 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने सफर की शुरुआत करेगी। टीम को एलीट ग्रुप सी में रखा गया है और ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले जयपुर में खेले जाएंगे। इस बार टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को सौंपी गई है, जिनसे संतुलित नेतृत्व और ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई की घोषित टीम में कई बड़े भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, युवा स्टार यशस्वी जायसवाल, भारत के टी20 आई कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का बाहर होना फैंस के लिए चौंकाने वाला जरूर है, लेकिन इसके पीछे रणनीतिक और फिटनेस से जुड़े कारण माने जा रहे हैं। मुंबई चयन समिति ने साफ कर दिया है कि इन खिलाड़ियों का टीम सूची में नाम न होना यह तय नहीं करता कि वे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, जो भी भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, उन्हें बाद में टीम में शामिल किया जा सकता है। यानी रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

ईपीएफओ का बड़ा फैसला : नौकरी बदलते वालें कर्मचारियों के लिए पीएफ से खुशखबरी

नॉमिनी को भी मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) ने नया सर्कुलर जारी किया है, जिससे नौकरी बदलने वाले कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बड़ा फायदा मिलेगा। अब वीकेंड या सरकारी छुट्टियों की वजह से सर्विस में ब्रेक नहीं माना जाएगा, जिससे डेथ क्लेम से जुड़े विवाद काफी हद तक खत्म हो सकते हैं।

पहले कई मामलों में दो नौकरियों के बीच वीकेंड या छुट्टियों के कारण कर्मचारी की सर्विस को टूटा हुआ माना जाता था, जिससे उनके परिवार को बीमा और पेंशन से जुड़े फायदे नहीं मिल पाते थे। ईपीएफओ ने बताया कि कई ऐसे मामले सामने आए, जहां कर्मचारी की मौत के बाद ईडीएलआई क्लेम सिर्फ मामूली गैप की वजह से खारिज कर दिया गया या कम रकम दी गई। इस गड़बड़ी को खत्म करने के लिए नया सर्कुलर जारी किया गया है। अब यदि किसी कर्मचारी की एक नौकरी खत्म होने और दूसरी नौकरी शुरू होने के बीच केवल वीकली ऑफ, नेशनल हॉलीडे, गजटेड हॉलीडे, स्टेट हॉलीडे या रिस्ट्रिक्टेड हॉलीडे आते हैं, तो इसे लगातार सर्विस माना जाएगा। ईपीएफओ ने यह भी स्पष्ट किया कि नौकरी बदलते समय अधिकतम 60 दिनों तक का गैप होने पर भी सर्विस कंटिन्यूअल मानी जाएगी। नया नियम उन मामलों पर भी लागू होगा, जहां कर्मचारी की मौत उसके आखिरी पीएफ योगदान के छह महीने के अंदर होती है, बशर्ते वह नियोक्ता के रिकॉर्ड में दर्ज हो।

किफायती घरों की मांग पूरी करने के लिए सरकार से कर प्रोत्साहन की मांग-क्रेडाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनियों के शीर्ष निकाय क्रेडाई ने शुक्रवार को आगामी बजट में सरकार से किफायती आवास परियोजनाओं के लिए डेवलपरों को कर प्रोत्साहन देने की मांग की ताकि किफायती घरों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। देशभर के 15, 000 से अधिक डेवलपरों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था क्रेडाई ने किफायती आवास के लिए 45 लाख रुपए की मूल्य सीमा को भी बढ़ाने की मांग की है।

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा, 'हम लंबे समय से किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव की मांग कर रहे हैं। वर्ष 2017 में इसके लिए 45 लाख रुपए की सीमा तय की गई थी लेकिन तब से निर्माण लागत काफी बढ़ गई है।' उन्होंने कहा कि किफायती आवास की परिभाषा में 45 लाख रुपए की मूल्य सीमा या तो हटा देनी चाहिए या फिर इसे बढ़ाकर 90 लाख रुपए किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में किफायती घरों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कुछ सकारात्मक घोषणाएं होंगी। पिछले कुछ वर्षों में किफायती घरों की आपूर्ति घटी है जबकि डेवलपरों का ध्यान मुख्य रूप से प्रीमियम एवं लक्जरी आवासीय परियोजना पर केंद्रित रहा है। इस वजह से मध्यम वर्ग के लिए घर का सपना पूरा होना काफी मुश्किल होता जा रहा है। क्रेडाई के राष्ट्रीय सचिव गौरव गुप्ता ने कहा कि किफायती आवास की मूल्य सीमा बढ़ाने से उपभोक्ताओं को फायदा होगा, क्योंकि किफायती आवास पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) केवल एक प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि किफायती आवास की आपूर्ति बढ़ाने के लिए निर्माण अनुबंधों पर डेवलपरों द्वारा दिए जाने वाले जीएसटी को भी 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया जाना चाहिए। ऐसा होने से किफायती श्रेणी के घरों की कीमतों में कमी आएगी।

गुप्ता ने कहा, 'सरकार को किफायती आवास परियोजनाएं विकसित करने वाली रियल एस्टेट कंपनियों को कुछ कर प्रोत्साहन देने पर भी विचार करना चाहिए। पहले भी सरकार इस तरह के प्रोत्साहन दे चुकी है।' इस मौके पर क्रेडाई अध्यक्ष ने यह स्वीकार किया कि रियल एस्टेट विनियमन एवं विकास अधिनियम (रेरा) के आने से इस क्षेत्र में पारदर्शिता आई है और इस समय यह उद्योग 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। घरों की बिक्री एवं कीमतों के आंकड़ों पर पटेल ने कहा कि कोविड महामारी के बाद रियल एस्टेट बाजार का प्रदर्शन अच्छा रहा है और आने वाले वर्षों में भी यह रुझान जारी रहने की संभावना है।

बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 447 अंक उछल कर 84, 929 पर

मुंबई **(एजेंसी)**। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच चार सत्र की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेश में नए सिरे से वृद्धि से भी शेयर बाजारों में तेजी आई। सेंसेक्स 447 अंक की मजबूती के साथ 84, 929 पर और एनएसई निफ्टी 150 अंकों की तेजी के साथ 25, 966 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 570.71 अंक चढ़कर 85, 052.52 अंक पर और निफ्टी 161 अंक की बढ़त के साथ 25, 976.55 अंक पर पहुंच गया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, पावर ग्रिड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर में सबसे अधिक तेजी रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहा। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59.68 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 595.78 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी पिछले कारोबार में 2, 700.36 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

पीट डैविडसन अब बन गए हैं 'डैडी कूल', एल्सी हेविट के साथ किया अपनी नन्ही परी का स्वागत

'द पिकअप' और 'द किंग ऑफ स्टेटन आइलैंड' जैसी फिल्मों के अभिनेता पीट डेविडसन पिता बन गए हैं। उन्होंने पार्टनर एल्सी हेविट के साथ अपने पहले बच्चे (बेटी) का स्वागत किया है।

एल्सी ने इंस्टाग्राम पर अपनी 'परफेक्ट एंजेल गर्ल' की पहली झलक शेयर की। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी का जन्म 12 दिसंबर को हुआ था, जिसका नाम उन्होंने स्कॉटी रोज हेविट डेविडसन रखा है। इस जोड़े ने अपनी नन्ही परी के नाम का खुलासा भी कर दिया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट सामने आने के बाद से प्रशंसक इस जोड़े को बधाई दे रहे हैं।

पीपल मैगजीन के मुताबिक, स्कॉटी का नाम पीट के स्वर्गीय पिता स्कॉट मैथ्यू डेविडसन को एक श्रद्धांजलि है। पीट के पिता एक जांबाज फायरफाइटर थे, जो 9/11 के हमलों में शहीद हो गए थे। वहीं 'रोज', एल्सी का मिडिल नेम है।

इस कपल ने अपनी प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखा है और हर फोटो में बच्ची के चेहरे पर 'सफेद दिल' का इमोजी लगाया है। एल्सी ने लिखा, 'यह मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन काम है।' जुलाई में जब इस कपल ने प्रेग्नेंसी का खुलासा किया था, तो कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा था, 'चलो, अब सबको पता चल गया कि हमने सेक्स किया है!'

जिमी फॉलन के शो पर पीट ने पहले ही कहा था कि पिता बनना उनका सबसे बड़ा सपना है। उन्होंने भावुक होकर कहा था, 'अब बाकी सब चीजें मायने नहीं रखतीं, बस यही (बच्चा) सबसे ऊपर है।' फैंस ने कमेंट्स की बाढ़ ला दी है और इंटरनेट इस नई शुरुआत के लिए पीट और एल्सी के लिए बेहद खुश है।

नेशनल टीवी पर स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा की गुहार, तान्या मित्तल से बकाया भुगतान और सामान की वापसी का इंतज़ार!

तान्या मित्तल आजकल ऑनलाइन बातचीत का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। उन्होंने शो में कई लोगों का दिल जीता और शो में चौथा स्थान हासिल किया। कुछ समय पहले ही उनकी स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा ने बताया था कि इन्फ्लुएंसर ने उनके पैसे नहीं चुकाए हैं। स्टाइलिस्ट ने ऑनलाइन बताया कि उन्हें पेमेंट नहीं मिली है, और सेलिब्रिटी ने कई आउटफिट्स वापस नहीं किए हैं। अब, रिद्धिमा शर्मा ने खुलासा किया है कि यह समस्या अभी भी हल नहीं हुई है।

स्टाइलिस्ट ने इस मुश्किल के बारे में खुलकर बात की है, और बताया है कि इसका उन पर भावनात्मक और पेशेवर रूप से क्या असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके पेमेंट का कुछ हिस्सा अभी भी बाकी है और कई आउटफिट्स अभी भी तान्या की टीम के पास हैं। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया, 'यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि मैं कभी ऐसी स्थिति में नहीं रही, खासकर किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो नेशनल टेलीविज़न पर हो।'

उन्होंने बताया, 'जब आप सेलिब्रिटीज़ के साथ काम करते हैं, तो आप कभी ऐसी स्थितियों की उम्मीद नहीं करते, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे एक रियलिटी चेक की ज़रूरत थी, और मुझे वह मिल गया,' उन्होंने बताया कि इस घटना का उन पर किस तरह का असर पड़ा। इसके अलावा, घटना के बारे में और जानकारी देते हुए, रिद्धिमा ने बताया कि इस पूरे प्रोफेशनल अरेंजमेंट के दौरान उनका प्राइमरी कॉन्टैक्ट तान्या का भाई, अमृतेश था। उनके अनुसार, उनका कोलैबोरेशन बिना किसी परेशानी के आसानी से चला। हालांकि, जैसे ही शो फिनाले के करीब आया, स्टाइलिस्ट के लिए हालात और खराब हो गए।

रिद्धिमा ने खुलासा किया कि तान्या की टीम ने फिनाले के लिए उन्हें स्टाइल करने के लिए संपर्क किया था, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनके ट्रैवल और संबंधित खर्चों को कवर नहीं किया जाएगा। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि इस स्थिति के बावजूद उन्हें आउटफिट्स के लिए रिक्वेस्ट मिलती रहीं। रिद्धिमा ने कहा, 'अगर आपको इतनी ज़रूरत थी स्टाइलिस्ट की तो आप मुझे बुला सकते थे जैसे दूसरों ने किया। उन्होंने आगे कहा, 'वे लगातार मुझसे आउटफिट्स मांगते रहे, यहां तक कि फिनाले के अगले दिन जो नीला लहंगा उन्होंने पहना था, वह भी मैंने ही अरेंज किया था।'

पश्चिम रेलवे

रद्दीकरण सूचना

टेंडर सूचना संख्याः BCT/25-26/272, दिनांकः 02/12/2025, DOP: 26/12/2025 को रद्द कर दिया गया है क्योंकि यह टेंडर दस्तावेज़ गलत है।

0916

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट की मरम्मत

Sr.CDO-ICD-BDTS टेंडर नोटिस नंबर M137-BDTS-ACWP, तारीखः 15.12.2025 जारी करता है। **काम का नामः** कोचिंग डिपो बांद्रा में ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट (ACWP) की एक बार की मरम्मत और 05 साल का कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस और ऑपरेशन (CAMOC)। **काम की अनुमानित लागतः** 99,57,532.24/- (सभी टैक्स सहित)। EMD: 1,99,200/- **जमा करने की तारीख और समयः** 06.01.2026 तक, 15.00 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

0906

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना संख्याः सीनियर डीएमएम नागपुर / 95255864, दिनांक 18.12.2025. संक्षेप में विवरण: बीएलसी वैगन के लिए स्वचालित ट्विस्ट लॉक' पूर्ण, आरडीएसओ के ड्राइंग नंबर-कान्ट्र.- 9405 एस-21, एएलटी नंबर 7 या नवीनतम, आइटम नंबर 15 के अनुरूप सामग्री और विनिर्देश आरडीएसओ दस्तावेज़ संख्या कॉन्ट्र- 01-एमएसजी- एटीएल-2011, नवंबर 2011 या नवीनतम के अनुरूप। **मात्रा:** 1000. **इकाई:** नग। निविदा बंद होने की दिनांक 12.01.2026, समय: सुबह 11.30 बजे। वेबसाइट का पता जहां से निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखा जा सकता है **https://ireps.gov.in**

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक
मध्य रेल, नागपुर

DE/353

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

खुली निविदा संख्या : 1] पीआर-D-SPART-25-26-772, दि. 18/12/2025. कार्य का विवरण: SPART / SPARMV की स्टाफ वैन और टूल वैन का नवीनीकरण। **अनुमानित लागत:** रु. 12,98,000/-. **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** रु.-. **ईएमडी:** रु.26,000/-. **समापन अवधी:** बारह माह। ई-निविदा की जमा करने की तिथी एवं अवधि दि. 13.01.2026 को 17:00 बजे तक है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट : **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

DE-755

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

शीतकालीन सत्र में पारित विधेयक भारत को बनाएंगे विकसित भारत, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का दावा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि संसद के शीतकालीन सत्र में पारित विधेयक भारत को विकसित भारत के सपने की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि वंदे मातरम पर हुई चर्चाओं ने देशभक्ति की भावना को और भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि 2025 का शीतकालीन सत्र एक बहुत ही सक्रिय सत्र है। इस सत्र में पारित विधेयक करोड़ों लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और भारत को एक 'विकसित' राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर हुई चर्चा अत्यंत फलदायी और महत्वपूर्ण रही। वंदे मातरम पर व्यापक चर्चाओं के माध्यम से हमने देशभक्ति की भावना को एक बार फिर से जागृत किया है।

रिजिजू ने कहा कि चुनावी सुधारों पर हुई चर्चा के बाद आम जनता के लंबे समय से चले आ रहे सवालों के जवाब पूरी स्पष्टता के साथ मिल गए हैं। उन्होंने विपक्ष पर भारत के चुनाव आयोग और चुनावी सुधारों पर झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए उन पर हमला किया। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए, लेकिन संसद के दोनों सदनों में चुनावी सुधारों पर हुई बहस के बाद सब कुछ स्पष्ट हो गया। चुनाव आयोग और चुनावी प्रणाली पर आरोप लगाने वालों का भी पर्दाफाश हो गया।

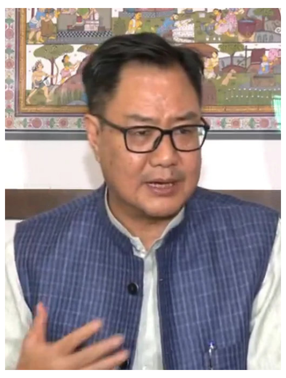

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहली बार था जब चुनाव आयोग और चुनावी सुधारों पर अलग-अलग चर्चा हुई, और भविष्य में होने वाली किसी भी चर्चा के लिए केंद्र सरकार की तत्परता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और चुनावी सुधारों पर पहली बार अलग-अलग चर्चाएँ हुईं। इससे पता चलता है कि सरकार चर्चाओं के लिए कितनी तत्पर है। इस चर्चा के बाद कोई भ्रम नहीं रह गया है। विपक्ष को इसके लिए हमारा शुक्रिया अदा करना चाहिए।

इसके अलावा, वीबी-जी राम जी विधेयक के पारित होने पर बोलते हुए, रिजिजू ने खुशी व्यक्त की और भ्रष्टाचार के अंत और अधिक पारदर्शिता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जी राम जी विधेयक एक बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक है, जिसे भ्रष्टाचार को रोकने और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए लाया और पारित किया गया है। सरकारी सुधार ही आगे बढ़ने का रास्ता हैं, एक्सप्रेस की तरह, और यह रुकेगा नहीं। मैं इस सत्र से बहुत संतुष्ट हूँ; कामकाज बहुत अच्छे से हुआ है। इस बीच, शुक्रवार को संसद ने विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक पारित कर दिया, जिसे लोकसभा की मंजूरी मिलने के बाद राज्यसभा ने भी स्वीकार कर लिया।

जहाजों व बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए होगा 'ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी' का गठन, शाह ने दिए निर्देश

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जहाजों और बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा के लिए एक समर्पित निकाय, ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपीएस) के गठन हेतु एक बैठक बुलाई है। बैठक के दौरान, शाह ने देश भर में एक मजबूत बंदरगाह सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया और निर्देश दिया कि सुरक्षा उपायों को जोखिम-आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए, जिसमें कमजोरियों, व्यापार क्षमता, स्थान और अन्य प्रासंगिक मापदंडों को ध्यान में रखा जाए। इस बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री उपस्थित थे। गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, नवगठित व्यापारिक जहाजरानी अधिनियम, 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत बोर्ड ऑफ पोर्ट्स (बीओपीएस) को एक वैधानिक निकाय के रूप में गठित किया

जाएगा।

बयान में आगे कहा गया है कि महानिदेशक की अध्यक्षता वाला यह ब्यूरो बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के तत्वावधान में कार्य करेगा और जहाजों एवं बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित नियामक एवं निगरानी कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा। गृह मंत्रालय ने बताया इस ब्यूरो का गठन नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की तर्ज पर किया जा रहा है। बीओएस का नेतृत्व एक आईपीएस अधिकारी (वेतन स्तर-15) करेंगे। एक वर्ष की संक्रमणकालीन अवधि के दौरान, महानिदेशक जहाजरानी (डीजीएस/डीजीएमए) बीओएस के महानिदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि बंदरगाह सुरक्षा बल (बीओएस) सुरक्षा संबंधी सूचनाओं के समय पर विश्लेषण, संग्रह और आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही बंदरगाह के आईटी बुनियादी ढांचे को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए एक समर्पित विभाग भी शामिल होगा। बंदरगाह सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बंदरगाह सुविधाओं के लिए एक मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (आरएसओ) के रूप में नामित किया गया है, जो बंदरगाहों के लिए सुरक्षा आकलन करने और सुरक्षा योजनाएँ तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।

कांकेर में अंतिम संस्कार की रस्मों को लेकर आदिवासी-ईसाई सांप्रदायिक झड़प

20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। अमाबेड़ा क्षेत्र के तेवड़ा गांव में ग्राम सरपंच के पिता चामरा राम के अंतिम संस्कार को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। आदिवासी और ईसाई समुदायों ने संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आपस में झड़प की। पुलिस ने व्यवस्था बहाल करने के लिए गांव में कर्फ्यू लगा दिया है। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में तोड़फोड़ और आगजनी का एक मामला सामने आया है। आदिवासी और ईसाई समुदाय सड़कों पर उतर आए और इस तरह अशांत स्थिति उत्पन्न हो गई, जहां दोनों पक्षों ने एक चर्च को जला दिया और एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। सूत्रों के अनुसार, लोगों ने चरण राम सलाम के दफन की खबर मिलने के बाद यह कार्रवाई की। आदिवासी समुदाय का मानना था कि अंतिम संस्कार उनके स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार नहीं किया गया, क्योंकि शोक संतप्त परिवार ने पहले धर्म परिवर्तन कर लिया था।

16 दिसंबर को उनकी मृत्यु के बाद, परिवार ने गांव में अपनी निजी जमीन पर अंतिम संस्कार किया और शव को दफना दिया। आदिवासी लोगों को संदेह हुआ और उन्होंने शव को कब्र से निकालने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। शिकायतों के बाद, कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने कानूनी प्रावधानों के अनुसार शव को कब्र से निकालने का आदेश दिया, जिसके कारण झड़प हुई। संघर्ष की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत करने का प्रयास कर रही है।

इस घटना में अंतागढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष बंचोर सहित 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद आगे के इलाज के लिए चिकित्सा केंद्रों में भेजा गया है। घटना के दौरान संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के अनुसार, पूरी घटना के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं और अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बेहद शर्मनाक, धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला, बुर्का विवाद में सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क का बड़ा बयान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क ने शुक्रवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला डॉक्टर के चेहरे से बुर्का हटाने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह अफसोसजनक है कि देश बिहार के मुख्यमंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन नहीं कर रहा है, और नीतीश कुमार ने अपने कृत्य के लिए माफी तक नहीं मांगी है। जियाउर रहमान बर्क ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह अफसोसजनक है कि एक मुस्लिम महिला के साथ ऐसी घटना के बाद भी देश विरोध प्रदर्शन नहीं कर रहा है। उन्होंने न तो माफी मांगी है और न ही कोई कार्रवाई की गई है।

इससे पहले, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने हिजाब और बुर्का को महिलाओं के सम्मान, गरिमा और गौरव का प्रतीक और 'उनके सिर का ताज' बताते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कड़ी आलोचना की। पठान ने उन पर महिलाओं की गरिमा और संवैधानिक अधिकारों का अपमान करने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए पठान ने मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की और इस घटना को महिलाओं की मर्यादा और धार्मिक स्वतंत्रता का घोर उल्लंघन बताया।

उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 धर्म का पालन करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 19 पसंद की स्वतंत्रता की गारंटी देता है; जो भी बुर्का या हिजाब पहनना चाहता है, वह पहन सकता है। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय भी यही कह चुका है। नीतीश कुमार के इस कृत्य की कड़ी निंदा होनी चाहिए। यहां तक कि एक पिता को भी ऐसा करने का अधिकार नहीं है। यह हिजाब, बुर्का, हमारी महिलाओं के सम्मान, गरिमा और आदर का प्रतीक है।

राम मुसलमान थे? टीएमसी विधायक के बयान से मचा बवाल

भाजपा बोली- हिंदू धर्म का घोर अपमान

कोलकाता (**एजेंसी**)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मदन मित्रा के भाषण का एक वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया है कि भगवान राम मुसलमान थे। भाजपा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे हिंदू धर्म का अपमान बताया है। बंगाली में दिए गए अपने भाषण में मित्रा ने एक हिंदू श्लोक का पाठ किया और फिर भाजपा द्वारा हिंदू धर्म की व्याख्या पर हमला किया। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी का उद्देश्य हिंदू धर्म को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की हिंदू धर्म की समझ पर सवाल उठाना था।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मित्रा की टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि टीएमसी विधायक मदन मित्रा का यह घिनौना दावा कि 'प्रभु श्री राम मुसलमान थे, हिंदू नहीं' हिंदू धर्म का जानबूझकर अपमान है। टीएमसी का यही हाल हो गया हैः हिंदू आस्था पर रोजाना हमले करना। एक कथित व्यक्तिगत घटना का जिक्र करते हुए, कमरहटी विधायक ने बताया कि उन्होंने एक बार दिल्ली में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को चुनौती दी थी कि वे साबित

करें कि भगवान राम हिंदू थे।

मित्रा ने कहा, 'मैंने उनसे कहा, साबित करके दिखाओ कि राम हिंदू हैं। मुझे राम का उपनाम बताओ।' उन्होंने आगे बताया कि वहां मौजूद कोई भी उनके सवाल का जवाब नहीं दे सका। उन्होंने दावा किया कि सुवेंदु अधिकारी समेत भाजपा के नेता भी जवाब देने में नाकाम रहे। मित्रा ने आगे आरोप लगाया कि एक हिंदू साधु ने उन्हें बताया कि भगवान राम का उपनाम 'रामजेठमलानी' था, जिसका उन्होंने अपने भाषण में उपहास किया। मित्रा ने कहा, 'क्या कोई हिंदू इस पर विश्वास करेगा? क्या वे ऐसे लोगों पर विश्वास करके पूजा करने जाएंगे?' उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी टिप्पणियां भाजपा की हिंदू धर्म की सतही समझ का उपहास करने के लिए थीं।

ट्रंप ने कर ली चीन की नींद उड़ाने वाली वेपन डील! ताइवान को 10 अरब डॉलर से ज्यादा के हथियार बेचेगा अमेरिका

ताइपे (**एजेंसी**)। ताइवान के लिए 10 अरब डॉलर के हथियार पैकेज को अमेरिका द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद चीन ने वाशिंगटन को कड़ी चेतावनी जारी की है। यह ताइवान के इतिहास में सबसे बड़े हथियार सौदों में से एक है। इस सौदे में हिमर्स रॉकेट सिस्टम, हॉवित्जर, ड्रोन और टैंक-रोधी मिसाइलें शामिल हैं, जिनका उद्देश्य असममित युद्ध के माध्यम से संभावित चीनी आक्रमण को रोकने की ताइवान की क्षमता को मजबूत करना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से ज्यादा की कीमत के हथियारों की बिक्री के एक पैकेज की घोषणा की है। इसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम पर चीन ने आक्रोश जताया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा की।

इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं, जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री एक अरब डॉलर से ज्यादा की बताई गई है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन और अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता और अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।

चीन कल तक भारत को वायु प्रदूषण पर उपदेश दे रहा था, आज दमघोंटू स्मॉग ने बीजिंग को घेर लिया

बीजिंग (**एजेंसी**)। जो चीन कल तक भारत को वायु प्रदूषण पर नैतिकता का पाठ पढ़ा रहा था, वही आज खुद स्मॉग के दलदल में फिसल गया। बीजिंग का एक्यूआई 216 तक पहुंचना चीन के प्रदूषण मुक्त मॉडल के दंभ पर करारा तमाचा है। हम आपको बता दें कि चीन की राजधानी बीजिंग एक बार फिर घने स्मॉग की चादर में लिपटी नजर आई है और यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 216 तक पहुंच गया है जिसे 'बेहद अस्वस्थ' श्रेणी में रखा जाता है। बीते कई वर्षों में अरबों डॉलर खर्च कर प्रदूषण कम करने के बाद बीजिंग में प्रदूषण का यह स्तर एक दुर्लभ घटना माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि चीन की राष्ट्रीय मौसम वेधशाला ने बुधवार को देश के कई हिस्सों में घने कोहरे के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया था। चेतावनी में कहा गया कि हेबेई, बीजिंग, तिआनजिन, हेनान, अनहुई, जिआंगसू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगछिंग के कई हिस्से गुरुवार को घने कोहरे की चपेट में रहेंगे।

हम आपको बता दें कि बीजिंग में आजकल प्रदूषित हवा और स्मॉग असामान्य माने जाते हैं। वर्ष 2016 से पहले यह शहर भीषण प्रदूषण के लिए कुख्यात था। इसके बाद चीनी सरकार ने भारी उद्योगों को बंद करने और शहर से बाहर स्थानांतरित करने जैसे कड़े कदम उठाए और इस पर अरबों डॉलर खर्च किए। अधिकारियों के अनुसार, सर्दियों में कोयले से चलने वाली हीटिंग व्यवस्था को हटाकर प्राकृतिक गैस और बिजली आधारित हीटिंग अपनाने पर 1 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए गए, जिससे प्रदूषण स्तर में उल्लेखनीय कमी आई। इसके अलावा, हाल के दिनों में बीजिंग के प्रदूषण नियंत्रण प्रयास चर्चा में

रहे, खासकर तब जब नई दिल्ली गंभीर प्रदूषण संकट से जूझ रही है। इसने यह बहस छेड़ दी कि क्या दिल्ली को भी बीजिंग की तरह कठिन और महंगे रास्ते पर चलना चाहिए।

दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि चीन सरकार ने 3, 000 से अधिक भारी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद या स्थानांतरित किया और प्रमुख सरकारी स्टील कंपनी शौगांग को भी शहर से बाहर किया। विशेषज्ञों का कहना है कि बीजिंग और दिल्ली के प्रदूषण के कारणों में कुछ समानताएं हैं, लेकिन स्रोत, भौगोलिक परिस्थितियां और मौसमी कारण अलग-अलग हैं। बीजिंग में प्रदूषण का मुख्य कारण कोयला आधारित बिजली संयंत्र, भारी उद्योग और वाहन थे, जबकि दिल्ली में कृषि अवशेष जलाना, धूल, परिवहन और असंगठित उद्योग बड़ी भूमिका निभाते हैं। दरअसल, चीन यह भूल जाता है कि भारत और चीन की परिस्थितियां जमीन-आसमान का फर्क रखती हैं। भारत में प्रदूषण सिर्फ सरकारी नीतियों का सवाल नहीं, बल्कि आजीविका, खेती, ऊर्जा और सामाजिक संरचना से जुड़ा मसला है। चीन ने उद्योग बंद किए तो लोगों की आवाज दबा दी गई। भारत में ऐसा करना न लोकतांत्रिक है, न व्यावहारिक। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि चीन जिस मॉडल को भारत पर थोपना चाहता है, वही मॉडल अब खुद उसके लिए बोझ बनता दिख रहा है। बीजिंग का ताजा स्मॉग इस बात का सबूत है कि प्रदूषण नियंत्रण कोई एकमुश्त परियोजना नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष है। यह घटना भारत के लिए चेतावनी भी है और सबक भी। चेतावनी इसलिए कि प्रदूषण को हल्के में नहीं लिया जा सकता और सबक इसलिए कि आंख मूंदकर किसी दूसरे देश के मॉडल की नकल आत्मघाती हो सकती है।

बहरहाल, चीन का उपदेश अब उसी पर उल्टा पड़ गया है। पर्यावरण के मुद्दे पर नैतिक श्रेष्ठता का दावा करने से पहले शायद उसे खुद आईने में झांकने की जरूरत है। क्योंकि स्मॉग जब लौटता है, तो वह न विचारधारा देखता है, न शासन व्यवस्था, वह सिर्फ हवा को जहरीला बनाता है।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच भारत को मिली ब्रिक्स की कमान! अमेरिका की उड़ी नींद

वाशिंगटन (**एजेंसी**)। भारत 1 जनवरी से आधिकारिक रूप से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने जा रहा है। 11 और 12 दिसंबर को ब्राजीलिया में हुई ब्रिक्स शेरपाओं की बैठक के बाद भारत को ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता सौंप दी गई। 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ऐसे वक्त में शुरू हो रही है जब ट्रंप के दूसरे कार्यकाल ने वैश्विक व्यापार और कूटनीति में अनिश्चितता बढ़ा दी है। दूसरी तरफ ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपने वाला ब्राजील भी अमेरिका के टेरिफ के निशाने पर रहा। लेकिन इन तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत ने साफ कर दिया है कि ब्रिक्स की अध्यक्षता, लचीलापन, इनोवेशन, सहयोग, सतत विकास, मूल सिद्धांतों पर पूरी तरह फोकस होगी। ब्राजील से भारत को मिला यह दायित्व केवल औपचारिक बदलाव नहीं बल्कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात में एक मजबूत राजनीतिक और रणनीतिक संकेत भी माना जा रहा है। चौथे ब्रिक्स शेरपा सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान, 12 दिसंबर, 2025 को ब्राजील ने आधिकारिक तौर पर ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत को सौंप दी। इस औपचारिक हस्तांतरण ने समूह के भीतर नेतृत्व परिवर्तन को चिह्नित किया, क्योंकि भारत 2026 में ब्रिक्स चर्चाओं और पहलों का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहा है। ब्रिक्स प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इसका उद्देश्य विकास, व्यापार, वित्त और वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

ओमान के उप प्रधानमंत्री से मिलते समय पीएम मोदी ने कान में पहना ऐसा कौन सा गैजेट, तस्वीरों ने मचाया तहलका!

मस्कट (**एजेंसी**)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ओमान आगमन भव्य समारोह था। ओमान के रक्षा मामलों के उप प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया। पारंपरिक नृत्य और गार्ड ऑफ ऑनर सहित भव्य समारोहों के साथ उनका अभिनंदन किया गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय उनके बाएं कान में पहनी एक छोटी, चमकीली बाली थी। इससे तरह-तरह की अटकलें लगने लगीं - क्या यह पीएम मोदी का नया फैशन था? इसके बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हुई की प्रधानमंत्री ने अपनी ओमान यात्रा के दौरान क्या पहना हुआ था। इस बार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहनी गई 'कान की बाली' कोई मामूली फैशन चॉइस नहीं थी। गौर से देखने पर पता चला कि यह एक रियल-टाइम ट्रांसलेशन डिवाइस थी। इस तरह के उपकरण उच्च स्तरीय राजनयिक बैठकों के दौरान सुचारू संचार को सुगम बनाने के लिए आमतौर पर उपयोग किए जाते हैं।

वेनेजुएला को अमेरिकी सेना ने घेरा! मादुरो को अब पुतिन बचाएंगे?

काराकास (**एजेंसी**)। डोनाल्ड ट्रंप ने अब वेनेजुएला के खिलाफ हमला बोलने की पूरी तैयारी कर ली है और युद्ध का ऐलान भी कर दिया है और ट्रंप के आगे अमेरिकी संसद पूरी तरीके से आ रही है क्योंकि कानून और संविधान उन्हें युद्ध का ऐलान करने की इजाजत नहीं देता। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के संविधान को कुचलकर वेनेजुएला पर हमला करने का ऐलान कर चुके हैं। अब ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या वाकई में वेनेजुएला में ड्रग्स को लेकर डोनाल्ड ट्रंप एक्शन ले रहे हैं या फिर वहां के राष्ट्रपति से जो तानानी चल रही है ट्रंप की उनका तख्तापलट करवाने के लिए ट्रंप ने यह कदम उठाया।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी 'प्रतिबंधित तेल टैंकरों' की नाकेबंदी का आदेश दिया है। इस कदम से दक्षिण अमेरिकी देश के नेता निकोलस मादुरो पर दबाव और बढ़ गया है तथा इसका उद्देश्य वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को और कमजोर करना प्रतीत होता है। यह घोषणा उस घटना के एक सप्ताह बाद आई है, जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर जब्त किया था। यह असामान्य कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बाद की गई थी। मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाया कि वेनेजुएला तेल का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों के वित्तपोषण के लिए कर रहा है।

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)